

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 35 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 18 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

लश्कर का स्थानीय आतंकी ढेर गृहमंत्री अमित शाह ने जवानों को दी बधाई

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आखिरी ज्ञात सक्रिय स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट के मारे जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने लतीफ भट को मार गिराया। वहीं, उसका एक आतंकी सहयोगी उमर निसार भी इससे एक दिन पहले कुलगाम में मारा गया था। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस पूरे अभियान को जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी), भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और खुफिया एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से अंजाम दिया गया। गृह मंत्री ने कहा कि पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहद उच्च स्तर का तालमेल देखने को मिला। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के बहादुर जवानों को सलाम करते हुए कहा कि देश उनके साहस को नमन करता है।

रवि उप्पल और विकास अग्रवाल को लाने दुबई पहुंची जांच टीम

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो की संयुक्त टीम शराब घोटाले तथा महादेव सट्टा मामले के दो मुख्य आरोपितों रवि उप्पल और विकास अग्रवाल को भारत लाने के लिए दुबई पहुंची है। विदेश मंत्रालय के समन्वय से यह कार्रवाई की जा रही है। महादेव सट्टा मामले के मुख्य आरोपित सौरभ चंद्राकर को ओमान के मस्कट से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और वह इस समय रायपुर की जेल में बंद है। उसकी गिरफ्तारी के बाद अब विदेशों में छिपे अन्य आरोपितों पर शिकंजा कसने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने की छत्तीसगढ़ में प्रजनन दर बढ़ाने की अपील

मनेंद्रगढ़। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने छत्तीसगढ़ में लगातार घट रही प्रजनन दर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि, अब परिवार में 3 से 4 बच्चे होने में भी कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गई है। देश में फर्टिलिटी रेट 2.2 है, जबकि छत्तीसगढ़ में यह घटकर 1.8 रह गई है। मंत्री ने कहा कि उनकी इच्छा है कि प्रदेश की प्रजनन दर कम से कम राष्ट्रीय औसत के बराबर पहुंचे। कैट के कार्यक्रम में नसबंदी को लेकर मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से अब इसके लिए किसी तरह का प्रलोभन नहीं दिया जाता है। कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से नसबंदी कराने आता है तो यह अलग बात है।

एक जनवरी से होंगी 10वीं-12वीं की प्रायोगिक परीक्षाएं

रायपुर। प्रदेश में 10वीं-12वीं की प्रयोगिक परीक्षाएं एक जनवरी से प्रारंभ होंगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इसके लिए तिथियां जारी कर दी हैं। तिथि जारी करने के साथ ही प्राचार्यों को प्रायोगिक परीक्षाओं के संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। प्रायोगिक परीक्षाएं एक जनवरी से प्रारंभ होकर 20 जनवरी तक चलेंगी। प्रायोजना कार्य अर्थात प्रोजेक्ट वर्क के लिए भी ये ही तिथियां निर्धारित की गई हैं। ये परीक्षाएं प्रदेश के समस्त मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित होंगी। मंडल द्वारा जारी निर्देशों की प्रति आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गई है।

चक्रवाती तूफान अकवान का असर : छत्तीसगढ़ में 20-21 नवंबर को भारी बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिन मौसम ड्राई रहने के बाद 20 और 21 नवंबर को बारिश का दौर शुरू हो सकता है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'अकवान' के असर से प्रदेश के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने फिलहाल अगले 24 घंटे के लिए प्रदेश में कोई चेतावनी जारी नहीं की है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके 20 नवंबर की दोपहर नेल्लोर और विशाखापट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश के तट से टकराने का अनुमान है। इस दौरान हवा की रफ्तार 120 से 130 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।



8 जिलों में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री से नीचे

प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन रात के तापमान में ठंड का असर दिखाई दे रहा है। मंगलवार को 8 जिलों में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। बलरामपुर-रामानुजगंज में सबसे कम 12.9 डिग्री तापमान रहा। सरगुजा में 13.1, गरियाबंद में 14.2 और बालोद में 14.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा धमतरी में 15.3, बेमेतरा में 15.5, दुर्ग में 15.6 और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री रहा। वहीं रायपुर में न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है।

छत्तीसगढ़ के गांवों में सभी परिवारों तक पहुंचेगा नल

■ **जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लागू किए जाएंगे नए नियम**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मंत्रिपरिषद ने ''छत्तीसगढ़ पंचायत (ग्रामीण नलजल संचालन, संधारण एवं प्रबंधन) नियम, 2026'' के प्रारूप का अनुमोदन किया है।

इसके अंतर्गत पूर्व में लागू वर्ष 2024 के नियमों को निरस्त कर जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नए नियम लागू किए जाएंगे। नवीन नियमों में भारत सरकार द्वारा सुझाए गए सभी 19 तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय बिंदुओं को शामिल किया गया है। इससे ग्राम पंचायतों के माध्यम से नलजल योजनाओं का नियमित संचालन, रखरखाव और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित होगा। विशेष रूप से एक हजार से कम आबादी वाली ग्राम पंचायतों में नलजल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के लिए 'मुख्यमंत्री नल जल अनुदान' के माध्यम से वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए ग्राम पंचायतों को प्रतिमाह न्यूनतम 50 प्रतिशत जल प्रभार का संग्रहण करना होगा।



पंचायतों को हर साल मिलेगी प्रोत्साहन राशि

वार्षिक जल प्रभार की 75 प्रतिशत से अधिक राशि का संग्रहण करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रतिवर्ष 50 हजार रुपए 'मुख्यमंत्री नल जल प्रोत्साहन राशि' दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा लगातार दो वर्षों तक शत-प्रतिशत मीटरिंग सुनिश्चित करने वाली ग्राम पंचायतों को एकमुश्त 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी जा सकेगी। राज्य सरकार के इस निर्णय से छोटी ग्राम पंचायतों पर न केवल आर्थिक भार कम होगा।

रामकृष्ण मिशन कॉलेज को मिलेगा अनुदान

मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की घोषणा के अनुरूप नारायणपुर में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के अबूझमाड़िया विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित रामकृष्ण मिशन स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय को तीन वर्षों के लिए आवर्ती एवं अनावर्ती अनुदान स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) अधिनियम, 2006 के निर्धारित मापदण्डों में शिथिलीकरण को मंजूरी दी गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ इस महाविद्यालय के संचालन एवं अधोसंरचना विकास के लिए तीन वर्षों में लगभग 40.98 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है। इस निर्णय से अबूझमाड़ सहित दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की सुविधा मिलेगी तथा उनके शैक्षणिक विकास को नई गति मिलेगी।

राजनांदगांव बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन को मिलेगी जमीन

मंत्रिपरिषद की बैठक में राजनांदगांव जिले में बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन के निर्माण के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को भूमि आबंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव तहसील के ग्राम कौरिनभांठा में राजगामी संपदा की खसरा क्रमांक 284 की 0.223 हेक्टेयर अर्थात 24,090 वर्गफीट भूमि आबंटित की जाएगी। नवीन सम्प्रेक्षण गृह के निर्माण से विधि से संघर्षरत बालकों के लिए सुरक्षित आवास, देखभाल, परामर्श, शिक्षा एवं पुनर्वास की सुविधाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के राजनांदगांव में संभागीय कार्यालय की स्थापना के लिए भूमि आबंटन का प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव शहर के बल्देव बाग स्थित स्टेट हाईस्कूल परिसर की 264 वर्गमीटर भूमि माध्यमिक शिक्षा मण्डल को आबंटित की जाएगी।

शोएब ढेबर की फरारी में नपा टीआई : सांठ- गांठ के आरोप में निरीक्षक विनीत सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फरार शोएब ढेबर की गिरफ्तारी की गोपनीय रणनीति लीक होने के मामले में पुलिस विभाग ने एक और कार्रवाई की है। बस्तर आईजी बद्री नारायण मीणा ने निरीक्षक विनीत दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। 16 नवंबर को जारी आदेश में कार्रवाई का आधार तेलीबांधा थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 403/2026 से जुड़ा संदिग्ध आचरण बताया गया है।

रायपुर पुलिस कमिश्नर ने 30 अक्टूबर को इस संबंध में प्रतिवेदन भेजा था। प्रारंभिक जांच में दुबे का आचरण विभागीय मर्यादा के प्रतिकूल पाए जाने पर निलंबन किया गया। उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र, नारायणपुर निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

मामला कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से कथित तौर पर 25 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने से जुड़ा है। फरार शोएब ढेबर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने करीब आधा दर्जन ठिकानों पर एक साथ दबिश की योजना बनाई थी। लेकिन 3 अक्टूबर को खम्हारडीह में पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गया।

करगी रोड-सलकारोड के बीच तीसरी लाइन का स्पीड ट्रायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर मंडल में कटनी लाइन पर तीसरी रेल लाइन का काम पूरा हो गया है। करगी रोड और सलकारोड स्टेशन के बीच बनी 8 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत तीसरी लाइन का मंगलवार को रेल संरक्षा आयुक्त सुमित सिंघल ने निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने रेल पटरी, पुल-पुलियों, सिग्नल, समपार फाटक और दूरसंचार व्यवस्था की जांच की। इसके बाद ओएमएस स्पेशल ट्रेन से नई लाइन पर स्पीड ट्रायल किया गया। अब इस लाइन पर यात्री और मालगाड़ियों का



परिचालन शुरू करने के लिए रेल संरक्षा आयुक्त की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही आसान होगी। मौजूदा रेल लाइनों पर ट्रेनों का दबाव कम होगा।

कैप्सूल वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने घेरा थाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । कुम्हारी थाना क्षेत्र के ग्राम कुगदा में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 77 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 6.30 बजे उस समय हुआ, जब साइकिल से जा रहे बुजुर्ग को विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार कैप्सूल वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने कुम्हारी थाने



का घेराव कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मृतक की पहचान समीपस्थ ग्राम नारधी सिन्हा पारा निवासी बिशाल वर्मा पिता लक्ष्मीनाथ वर्मा (77 वर्ष) के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार बिशाल वर्मा आज सुबह अपने स्वयं के स्वास्थ्य उपचार के लिए साइकिल से रायपुर स्थित एम्स जाने के लिए निकले थे। वे नारधी से होकर कुगदा गांव के रास्ते गुजर रहे थे, तभी गांव में धर्मेंद्र लहरी के घर के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित कैप्सूल वाहन ने उन्हें जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की खबर फैलते ही कुगदा और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए और आक्रोशित होकर कुम्हारी थाने का घेराव कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की संकरी सड़क से कैप्सूल और हाइवा जैसे भारी वाहनों की बेधड़क आवाजाही लगातार जारी है। कई बार शासन और प्रशासन को इस गंभीर समस्या से अवगत कराने के बावजूद भारी वाहनों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

लोहा कारोबारियों पर आईटी की रेड, कई जिलों में छापा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बुधवार तड़के इनकम टैक्स विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश के कई जिलों में एक साथ छापेमारी की। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा में 16 से अधिक टीमों ने अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी। यह कार्रवाई कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की सूचना के आधार पर की जा रही है।

रायपुर और रायगढ़ में बर्बरीक कंपनी के ठिकाने भी आयकर विभाग की जांच के दायरे में हैं। रायगढ़ में चार अलग-अलग स्थानों पर अधिकारियों की कार्रवाई जारी है। यहां दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा स्थित PRA ग्रुप के कार्यालय में भी आयकर विभाग की टीम



पहुंची। बिलासपुर में संभाग के बड़े लोहा कारोबारी जयप्रकाश मित्तल के ठिकानों पर भी आयकर विभाग ने छापेमारी की। तीन गाड़ियों में पहुंचे अधिकारियों ने विद्या नगर स्थित उनके निवास पर जांच शुरू की।

इसके अलावा अंबिकापुर में PRA ग्रुप के मालिक रमेशचन्द्र अग्रवाल के निवास पर आयकर विभाग ने छापेमारी की है। MG रोड स्थित उनके मकान में बुधवार सुबह से आईटी की टीम जांच में जुटी हुई है। इनकम टैक्स विभाग की एक दर्जन से अधिक टीमें इस कार्रवाई में शामिल हैं। रमेशचन्द्र अग्रवाल सड़क निर्माण के बड़े ठेकेदार माने जाते हैं। फिलहाल छापेमारी किस वजह से की गई है और जांच में क्या सामने आया है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। छापेमारी पूरी होने के बाद ही जांच में सामने आए तथ्यों की जानकारी स्पष्ट हो सकेगी। आईटी की टीम ने प्रा ग्रुप के ऑफिस और साकेत प्रोडक्ट्स एंड रोलिंग मिल के राइस मिल में छापा मारा है। दोनों जगहों पर टीम के अधिकारी सुबह से ही मौजूद हैं और बारीकी से जांच कर रहे हैं। मिल परिसर में टीम दस्तावेजों, बही-खातों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि कर चोरी की सूचना मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। अधिकारी हर कागज को बारीकी से खंगाल रहे हैं।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग, दो लाख से ज्यादा का जुर्माना

■ **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर चलाया गया अभियान**

■ **19 से ज्यादा टिकट चेकिंग स्टाफ रहे शामिल**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर यह जांच हुई। इस दौरान स्टेशन के सभी प्लेटफार्म पर जांच की गई। इसके साथ ही स्टेशन पर 16 ट्रेनों में किलाबंदी टिकट



चेकिंग हुई। इस अभियान में कुल 280 मामले दर्ज कर 2 लाख 9295 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया।

किलाबंदी टिकट चेकिंग में बिना टिकट यात्रा करने वाले 159 यात्री पकड़े गए, जिससे 1 लाख 42 हजार 705 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 87 यात्रियों से 63090 रुपए का राजस्व मिला। अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 34 यात्रियों से 3500 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ । इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था। इस टिकट चेकिंग अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनन्द एवं 19 टिकट चेकिंग स्टाफ शामिल रहे।

रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफ सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । जिससे यात्रियों को टिकट लेने के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है, साथ ही यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है कि वे उचित टिकट लेकर सही कोच में बैठे एवं अपनी सुखद यात्रा करें एवं टिकट चेकिंग में रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।



संपादकीय

मौत की जर्जर इमारतें

ढह रहे हैं घर लेकिन जवाबदेही तय नहीं

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े-बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्तूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी।

> "इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई।

दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार-बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें- अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिकृत हों या अनधिकृत- मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर-तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार-बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई- मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके। बाद में कार्रवाई करने से ज्यादा जरूरी है कि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति ही न हो। सही मायने में दिल्ली में असुरक्षित व जर्जर इमारतों के सुरक्षा ऑडिट की तत्काल जरूरत है। वास्तव में इन इमारतों की निगरानी किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा करायी जानी चाहिए। इसी क्रम में जोखिम की स्थिति वाली इमारतों की पहचान की जानी चाहिए। साथ ही उन बिल्डिंगों में रहने वाले लोगों के लिये वैकल्पिक आवासों की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले मकान मालिकों,ठेकेदारों और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाए। इसके अलावा बिल्डिंग बॉयलॉज के व्यापक उल्लंघन से निपटने के लिये सख्त कार्रवाई की भी जरूरत है।

अनियंत्रित उपभोक्तावाद से उपजा पर्यावरण संकट

रितु सरस्वत



वर्ष 2025 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि कम वस्तुओं के साथ और सोच-समझकर उपभोग करने वाली जीवनशैली का संबंध कम पर्यावरणीय प्रभाव और कम कचरा पैदा करने से है। स्पष्ट है कि अपनी आवश्यकताओं को सीमित करना केवल व्यक्तिगत जीवन को सरल बनाने का उपाय नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देने का एक व्यावहारिक रास्ता भी है।

हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट फॉर कॉप-31' नामक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि जनवरी से सितंबर, 2026 के बीच पृथ्वी का औसत सतही तापमान 19वीं सदी के उत्तरार्ध (1850-1900) में दर्ज औसत तापमान की तुलना में लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस रिपोर्ट में तापमान की वृद्धि को समझने के लिए 1850 से 1900 के बीच की अवधि को आधार माना गया है, जिसे जलवायु विज्ञान में पूर्व-औद्योगिक संदर्भ अवधि कहा जाता है। वहीं, क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर द्वारा जारी 'विदाउट रैपिड एक्शन, द वर्ल्ड इज़ हेडिंग टू इर्रिकवरेबल ओवरशूट' नामक रिपोर्ट में भी वैश्विक जलवायु प्रयासों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन को रोकने के सामूहिक वैश्विक प्रयास लगातार पांचवें वर्ष लगभग ठहर गए हैं। वर्तमान सरकारी नीतियों के आधार पर इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है।

जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई आशंका भर नहीं रह गया है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घट रही घटनाएं इस संकट की बढ़ती गंभीरता का संकेत दे रही हैं। जुलाई, 2019 में पश्चिमी यूरोप के कई देशों को अविश्वसनीय रूप से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। बेल्जियम और नीदरलैंड में तापमान पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। फ्रांस में जुलाई की भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया और कई लोगों की मौत का कारण बनी। वहीं, अप्रैल और मई, 2024 में दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे दो सुल राज्य में हुई मूसलाधार बारिश ने विनाशकारी बाढ़ का रूप ले लिया और लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।

इन घटनाओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय समूह 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' के निष्कर्ष बताते हैं कि मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ रहा जलवायु परिवर्तन ऐसी भीषण गर्मी और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना तथा तीव्रता को बढ़ा रहा है। मानवीय गतिविधियां जलवायु परिवर्तन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। इस तथ्य को जलवायु वैज्ञानिक अपने विभिन्न अध्ययनों में लगातार रेखांकित कर रहे हैं। आईपीसीसी की 'जलवायु परिवर्तन 2023 रिपोर्ट' में ऊर्जा के बेतहाशा उपयोग, वनों की निरंतर कटाई और औद्योगिक उत्पादन जैसी मानवीय गतिविधियों को जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों के रूप में रेखांकित किया गया है। जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी केवल सरकारों और नीतिगत व्यवस्थाओं पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से विमुख नहीं हो सकते। दरअसल, हमारी अपनी गतिविधियां और दैनिक जीवन से जुड़े निर्णय भी इस समस्या को बढ़ाने में योगदान देते हैं। इसलिए हमें उन गतिविधियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, जिनमें बदलाव करना हमारे अपने हाथ में है।

हमारी इस जिम्मेदारी और व्यक्तिगत भूमिका को समझने के लिए मायरा जे. हर्ड द्वारा संपादित पुस्तक 'कंज्यूमिंग द एनवायरनमेंट' एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। दरअसल, हमारी रोजमर्रा की खरीदारी, फैशन के बदलते चलन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग का संबंध केवल बाजार और हमारी जरूरतों से नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। किसी वस्तु का पर्यावरण पर प्रभाव केवल उसके उपयोग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों के दोहन से शुरू होकर उसके उपयोग के बाद फेंक दिए जाने तक बना रहता है। पर्यावरणीय संकट पर विचार करते समय यह देखना भी जरूरी है कि हम क्या खरीद रहे हैं, कितनी मात्रा में खरीद रहे हैं और उन वस्तुओं का उपयोग कितने समय तक कर रहे हैं।

मायरा ने उपभोक्तावाद और पर्यावरण के बीच जिस संबंध की ओर ध्यान आकर्षित किया है, उसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की अक्तूबर, 2025 की रिपोर्ट 'ट्रांसफॉर्मिंग द टेक्सटाइल इंडस्ट्री : एक्सेलरेटिंग एक्शन ऑन रिसोर्स यूज' से भी होती है। रिपोर्ट के अनुसार, कपड़ा उद्योग में हर वर्ष प्राकृतिक जल संसाधनों का उपयोग लगभग 8.6 करोड़ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूलों में समा सकने वाले पानी के बराबर है। यह उद्योग दुनिया में धरती का तापमान बढ़ाने वाली गैसों के कुल उत्सर्जन में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है। कपड़ों की बढ़ती मांग और उनके उत्पादन में लगातार हो रही वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर इस दबाव को और बढ़ा रही है।

उपभोक्तावाद का पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव केवल कपड़ा उद्योग तक सीमित नहीं है। हमारे घरों में इस्तेमाल होने वाली छोटी-बड़ी वस्तुओं से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और फर्नीचर तक, प्रत्येक वस्तु के निर्माण और उपयोग के पीछे प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की एक लंबी प्रक्रिया जुड़ी हुई है। एनी लियोनार्ड ने अपनी पुस्तक 'द स्टोरी ऑफ स्टफ' में हमारी रोजमर्रा की वस्तुओं और पर्यावरण के बीच इसी गहरे संबंध को स्पष्ट किया है। वे लिखती हैं कि हम जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, उनकी यात्रा धरती से प्राकृतिक संसाधनों को निकालने से शुरू होती है। इसके बाद उनका निर्माण होता है, उन्हें बाजार तक पहुंचाया जाता है, हम उन्हें खरीदते और इस्तेमाल करते हैं और अंततः वे फेंक दी जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में लगातार प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होता है और पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है।

एनी चेतावनी देती हैं कि वस्तुओं को जल्दी-जल्दी बदलने और नई वस्तुएं खरीदते रहने की प्रवृत्ति केवल हमारी खरीदारी की आदत नहीं, बल्कि ऐसी उपभोग संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को लगातार गहरा करती है। तो क्या विकास और बेहतर जीवन की हमारी आकांक्षा का अर्थ लगातार अधिक वस्तुएं जुटाते जाना ही है? क्या प्रकृति के संरक्षण के लिए हम अपनी आवश्यकताओं और उपभोग की आदतों पर पुनर्विचार नहीं कर सकते?

वास्तव में, प्रकृति को बचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास यह भी है कि हम अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर करना सीखें। उपभोक्तावादी संस्कृति की अंधी दौड़ पर लगाम लगाना और अनावश्यक उपभोग से स्वयं को दूर रखना पर्यावरणीय संकट को कम करने की दिशा में एक सार्थक कदम हो सकता है। दुनिया के कुछ समाजों में विकसित न्यूनतम वस्तुओं के साथ जीवन जीने की जीवनशैली इसी विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग दिखाती है।

जापान की न्यूनतमवाद की जीवनशैली इस विचार को व्यवहार में उतारने का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। जापानी लेखक फुमियो सासाकी ने अपनी पुस्तक 'गुडबाय, थिंग्स : द न्यू जापानी मिनिमलिज्म' में कम वस्तुओं के साथ संतोषपूर्ण जीवन जीने की सोच को सामने रखा है। इस जीवनशैली का आग्रह है कि हम केवल आवश्यकता के अनुरूप वस्तुएं खरीदें, उनका लंबे समय तक उपयोग करें और केवल नया होने या बाजार में प्रचलित होने के कारण पुरानी वस्तुओं को न बदलें। यह सोच पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

आयरलैंड में शुरू हुआ 'लेस बाइंग, मोर बीइंग' का संदेश आज पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि बन सकता है। कम खरीदना, कम उपभोग करना और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना केवल पर्यावरण संरक्षण का मंत्र नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है। यदि हमने अपनी असीमित इच्छाओं और उपभोग की प्रवृत्ति पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया, तो इसकी कीमत केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी चुकानी पड़ेगी। उन्हें उस पर्यावरणीय संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अभाव के बीच जीवन बिताने के लिए विवश होना पड़ सकता है, जिसकी पीड़ा आज हमारी कल्पना से भी परे है।

लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

शीतकालीन चारधाम यात्रा की भी हैं संभावनाएं

जयसिंह रावत

मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। ऐसे में शीतकालीन गद्दीस्थलों को धार्मिक पर्यटन के नए केंद्रों के रूप में विकसित करना महत्वपूर्ण पहल है। बैकुंठधाम बदरीनाथ के कपाट बंद होने के साथ ही उत्तराखंड हिमालय की इस वर्ष की चारधाम यात्रा का भी समापन हो गया। इस यात्रा में लगभग 65 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने चारधाम यात्रा की। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट भले ही बंद हो गए हों, लेकिन इसके साथ ही इन आराध्य देवताओं के शीतकालीन गद्दीस्थलों में पूजा-अर्चना शुरू हो जाती है।

परंपरा के अनुसार, गंगा की उत्सव डोली शीतकाल में उत्तरकाशी जिले के मुखबा गांव स्थित गंगा मंदिर में विराजमान होती है। यमुना की पूजा खरसाली गांव में होती है। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचती है, जहां अगले छह महीने तक उनकी पूजा-अर्चना होती है। इसी प्रकार, बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद भगवान उद्धव की पूजा पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी मंदिर में तथा आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी और भगवान नृसिंह की पूजा ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में होती है।

भौगोलिक विषमताओं और यात्रा की कठिनाइयों के बावजूद इन हिमालयी तीर्थों के प्रति देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती जा रही है। चारधाम यात्रा से होने वाली अधिकांश आय अप्रैल से नवंबर के बीच अर्जित होती है, लेकिन मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। ऐसे में शीतकालीन गद्दीस्थलों को धार्मिक पर्यटन के नए केंद्रों के रूप में विकसित करना महत्वपूर्ण पहल है। मुखबा, खरसाली, ऊखीमठ, पांडुकेश्वर और ज्योतिर्मठ को बेहतर सड़क संपर्क, आवास, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और संचार सुविधाओं से जोड़कर वर्षभर के पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है। इससे स्थानीय होमस्टे, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, शीतकाल में भी स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। हालांकि, शीतकालीन चारधाम यात्रा की संभावनाएं आकर्षक हैं, लेकिन इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन की चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिन गद्दीस्थलों को तीर्थाटन के नए केंद्र बनाने की योजना है, वे भी हिमालय के संवेदनशील क्षेत्रों में स्थित हैं। सर्दियों में यहां भारी हिमपात, पाला, शीतलहर और बर्फीली हवाओं का सामना करना पड़ता है। मुखबा और खरसाली जैसे गांवों में भारी बर्फबारी के कारण सड़क संपर्क अक्सर बाधित हो



जाता है। पांडुकेश्वर और जोशीमठ के आसपास भी हिमपात से यातायात प्रभावित होने की आशंका रहती है। ऊखीमठ अपेक्षाकृत कम ऊंचाई पर होने के बावजूद कड़ाके की ठंड और पाले से अछूता नहीं है। इसलिए यह मानना उचित नहीं होगा कि मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद शीतकालीन गद्दीस्थलों तक पहुंचना हमेशा आसान रहेगा।

सरकार को शीतकालीन गद्दीस्थलों तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों पर स्नो कटर मशीनों की स्थायी अथवा रणनीतिक तैनाती सुनिश्चित करनी चाहिए। केवल जिला मुख्यालयों पर मशीनें उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं है। अधिक हिमपात वाले संवेदनशील स्थानों पर पहले से मशीनें, प्रशिक्षित ऑपरेटर और पर्याप्त ईंधन उपलब्ध होना चाहिए, ताकि बर्फबारी रुकते ही सड़कें खोलने का काम शुरू किया जा सके।

लोक निर्माण विभाग, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है। वैकल्पिक मार्गों की पहचान और आपातकालीन यातायात प्रबंधन की योजना पहले से तैयार रहनी चाहिए। इसके साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह सतर्क रखना होगा। प्रमुख पड़ावों पर रेस्क्यू पोस्ट, प्रशिक्षित बचावकर्मी, संचार उपकरण, ऑक्सीजन सिलेंडर, प्राथमिक उपचार सामग्री और गर्म कपड़ों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। हिमस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में मौसम और बर्फ की स्थिति की लगातार निगरानी हो तथा जरूरत पड़ने पर यात्रियों की आवाजाही तत्काल रोकने की व्यवस्था हो। गद्दीस्थलों पर 24 घंटे चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस, गर्म पानी, हीटिंग और सुरक्षित आवास की सुविधाएं भी जरूरी हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ हिमालयी पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ रहा है। भूस्खलन, अतिवृष्टि, बादल फटने और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील इस क्षेत्र में यात्रियों की संख्या का प्रबंधन, मौसम के अनुसार यात्रा संचालन, कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। प्रतिकूल मौसम में यात्रा को नियंत्रित करने और यात्रियों को समय रहते सूचना देने की प्रभावी व्यवस्था आवश्यक है।

देवभूमि में आस्था के द्वार कभी बंद नहीं होते। कपाट केवल स्थान बदलते हैं, आराध्य नहीं। मौसम बदलता है, श्रद्धा नहीं। हिमालय की चोटियों से लेकर उसकी तलहटी में बसे शीतकालीन गद्दीस्थलों तक सनातन आस्था की यह धारा निरंतर प्रवाहित होती रहती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मठाधीशों को अपराध से अभयदान नहीं

डॉ. सुधिर कुमार



अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है।

भारतीय संस्कृति में 'संत' या 'गुरु' शब्द त्याग, वैराग्य, करुणा और आत्मिक शुचिता का प्रतीक रहा है। विगत कुछ दशकों से इस पावन आंगन में एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जिसने वैराग्य के स्थान पर वैभव और साधना के स्थान पर साम्राज्यवाद को अपना लिया है। हाल ही में उज्जैन के एक स्वामी महाराज पर एक महिला द्वारा गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज होने तथा केंद्रीय संस्था द्वारा उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित किए जाने की घटना ने समाज को विचलित किया।

आज के तथाकथित बाबाओं द्वारा खड़ा किया गया विशाल तामझाम, आलीशान आश्रम, लग्जरी गाड़ियां और निजी सुरक्षा गार्ड्स का लवाजमा भारतीय अध्यात्म के मूल सिद्धांत 'अपरिग्रह' का सीधा उल्लंघन है। आखिर शिक्षित लोग भी इन मठाधीशों व स्वयंभू बाबाओं के मायाजाल में कैसे फंस जाते हैं? मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखें तो 'भक्तों को मूर्ख बनाने की कला' मुख्य रूप से मानवीय भय, असुरक्षा, दुःख और चमत्कार की लालसा पर टिकी होती है।

ये स्वयंभू गुरु स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि घोषित कर पीआर तंत्र के माध्यम से एक आभासी आभामंडल तैयार करते हैं। फिर संकटग्रस्त व्यक्तियों का भावनात्मक व आर्थिक शोषण करते हैं। सच्ची भक्ति व्यक्ति को निर्भय और विवेकशील बनाती है, जबकि पाखंडी गुरुओं द्वारा परोसा गया अंधविश्वास व्यक्ति की तर्कशक्ति को समाप्त कर उसे मानसिक गुलाम बना देता है।

भारतीय संविधान और कानून में धर्म की आड़ में अपराध की कोई छूट नहीं है। अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। इसके अतिरिक्त, भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) के तहत आश्रम या ट्रस्ट के पद का दुरुपयोग कर दुष्कर्म करना 'गुरुतर अपराध' है, जिसमें न्यूनतम 10 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी स्पष्ट किया है कि आध्यात्मिक पद अपराधियों के लिए ढाल नहीं बन सकता। आसाराम बापू और गुरमीत राम रहीम मामलों में अदालतों ने रेखांकित किया कि जब समाज का एक बड़ा वर्ग किसी व्यक्ति को 'गुरु' मानकर अटूट विश्वास करता है तो उसका नैतिक और कानूनी दायित्व और बढ़ जाता है; ऐसे पद का दुरुपयोग कर समाज के साथ विश्वासघात है। इसके अतिरिक्त, शिरूर मठ केस (1954) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि धर्म का 'अनिवार्य हिस्सा' क्या है, इसका निर्धारण न्यायालय करेगा, और कोई भी अनैतिक या आपराधिक कृत्य धर्म का हिस्सा नहीं हो सकता।

विश्व के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी धार्मिक गुरुओं और पंथों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के विरुद्ध कठोर कानून हैं। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या तथाकथित संतों पर लगाम कसने के लिए किसी विशेष कानून की आवश्यकता है? वर्तमान में महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून' लागू हैं, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर आश्रमों के नियमन हेतु कोई समग्र केंद्रीय कानून नहीं है। भारतीय न्याय संहिता में दुष्कर्म के खिलाफ पर्याप्त प्रावधान हैं, किंतु 'मानसिक शोषण' और धार्मिक ट्रस्टों की बेनामी संपत्ति के ऑडिट के लिए एक विशेष 'धार्मिक संस्था एवं आश्रम विनियमन अधिनियम' बनाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसा कानून फर्जी बाबाओं पर अंकुश लगाएगा।

एक महत्वपूर्ण पहलू 'आध्यात्मिक कदाचार' और 'संस्थागत उत्तरदायित्व' का भी है। जिस प्रकार लापरवाही पर डॉक्टर का लाइसेंस रद्द होता है, उसी तरह कोई महत्वपूर्ण उपाधि देने से पहले व्यक्ति की पृष्ठभूमि जांचना अखाड़ों का दायित्व होना चाहिए। यदि पद देने से पहले ही कठोर चरित्र सत्यापन किया जाए, तो अपराधी प्रवृत्ति के लोग धर्म के शीर्ष पदों तक पहुंच ही नहीं पाएंगे।

सर्वप्रथम, सभी आश्रमों व ट्रस्टों का अनिवार्य पंजीकरण और प्रमाणित ऑडिटरों से वार्षिक ऑडिट कराया जाए। द्वितीय, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य हो। तृतीय, नियामक संस्था द्वारा 'राष्ट्रीय आध्यात्मिक आचार संहिता' बनाकर निजी विलासिता और राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक लगाए। साथ ही, नागरिकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण (अनुच्छेद 51क(ज)) विकसित किया जाए, ताकि समाज चमत्कारों के भ्रम से मुक्त रह सके। कानून को कठोरता से काम करना चाहिए और समाज को विवेकशील रहना चाहिए, क्योंकि सच्ची आस्था अंधी नहीं, बल्कि प्रकाश की ओर ले जाने वाली दिव्य दृष्टि है। भारतीय संस्कृति में 'संत' या 'गुरु' शब्द त्याग, वैराग्य, करुणा और आत्मिक शुचिता का प्रतीक रहा है। विगत कुछ दशकों से इस पावन आंगन में एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जिसने वैराग्य के स्थान पर वैभव और साधना के स्थान पर साम्राज्यवाद को अपना लिया है। हाल ही में उज्जैन के एक स्वामी महाराज पर एक महिला द्वारा गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज होने तथा केंद्रीय संस्था द्वारा उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित किए जाने की घटना ने समाज को विचलित किया।

आज के तथाकथित बाबाओं द्वारा खड़ा किया गया विशाल तामझाम, आलीशान आश्रम, लग्जरी गाड़ियां और निजी सुरक्षा गार्ड्स का लवाजमा भारतीय अध्यात्म के मूल सिद्धांत 'अपरिग्रह' का सीधा उल्लंघन है। आखिर शिक्षित लोग भी इन मठाधीशों व स्वयंभू बाबाओं के मायाजाल में कैसे फंस जाते हैं? मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखें तो 'भक्तों को मूर्ख बनाने की कला' मुख्य रूप से मानवीय भय, असुरक्षा, दुःख और चमत्कार की लालसा पर टिकी होती है।

ये स्वयंभू गुरु स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि घोषित कर पीआर तंत्र के माध्यम से एक आभासी आभामंडल तैयार करते हैं। फिर संकटग्रस्त व्यक्तियों का भावनात्मक व आर्थिक शोषण करते हैं। सच्ची भक्ति व्यक्ति को निर्भय और विवेकशील बनाती है, जबकि पाखंडी गुरुओं द्वारा परोसा गया अंधविश्वास व्यक्ति की तर्कशक्ति को समाप्त कर उसे मानसिक गुलाम बना देता है। भारतीय संविधान और कानून में धर्म की आड़ में अपराध की कोई छूट नहीं है। अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। इसके अतिरिक्त, भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) के तहत आश्रम या ट्रस्ट के पद का दुरुपयोग कर दुष्कर्म करना 'गुरुतर अपराध' है, जिसमें न्यूनतम 10 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

निर्वाचन कार्यों की तैयारियों का आयुक्त एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने किया बारीकी से निरीक्षण



भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह, रिटर्निंग ऑफिसर लीना कोसम एवं अपर कलेक्टर लिली थॉमस द्वारा सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज में निर्वाचन कार्यों के लिए की जा रही तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कमीशनिंग रूम, स्ट्रॉन्ग रूम, मतगणना कक्ष तथा निर्वाचन सामग्री वितरण एवं वापसी स्थल का जायजा लिया। उन्होंने प्रत्येक कक्ष में की गई व्यवस्थाओं, स्थान की उपलब्धता, सुरक्षा एवं निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। अधिकारियों ने निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी महत्वपूर्ण स्थलों की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने तथा आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर अनन्या अग्रवाल, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी.के. कोसरिया, जोन आयुक्त येशा लहरे, तरुणपाल लहरे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, जावेद अली, चंद्रकांत साहू, बसंत देवांगन, अनिल मेश्राम, धर्मेन्द्र मिश्रा, आयुषी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में इको क्लब अंतरशालेय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा वार्षिक शालेय गतिविधियों के अंतर्गत भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में इको क्लब अंतरशालेय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कार्बन पदचिह्न से कार्बन तटस्थता की ओर - एक हरित भविष्य का संकल्प विषय पर किया गया। प्रतियोगिता में बीएसपी के विभिन्न विद्यालयों के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा हरित भविष्य के निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध लोक गायिका रजनी रजक एवं सतीश मिश्रा के निर्देशन में भिलाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान से हुआ। इस अवसर पर भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 के प्राचार्य श्री विजय सिंह पवार ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित होता है तथा उनकी क्षमताओं को निखरने का अवसर मिलता है। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

खुशियों का त्यौहार : श्री सांई नाथ जन सेवा समिति ने वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ मनाया दीपावली पर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज



अपने परिवार के साथ सुख-दुख बांटते हुए जीवन के हर त्योहार को हर्षोल्लास से मनाना चाहता है। लेकिन समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिनके जीवन में अपनों का साथ और पारिवारिक खुशियां नहीं हैं। ऐसे निराश्रित एवं वृद्धजनों के जीवन में खुशियों के रंग भरने का सराहनीय प्रयास श्री सांई नाथ जन सेवा समिति, भिलाई द्वारा निरंतर किया जा रहा है। इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए समिति के सदस्यों ने गुरुवार को फील परमार्थम वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां निवासरत वृद्धजनों के साथ 'खुशियों की दीपावली' बड़े ही हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत समिति के सदस्यों द्वारा वृद्धजनों को तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं देने के साथ हुई। इसके पश्चात सभी ने मिलकर फुलझड़ियां और अनार जलाए तथा पटाखे फोड़कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। वृद्धजनों ने भी इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया और खुशी से झूम उठे। समिति के सदस्यों ने उनके साथ समय बिताकर उन्हें परिवार जैसा अपनापन और स्नेह प्रदान किया। इस अवसर पर समिति द्वारा वृद्धाश्रम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वृद्धजनों के उपयोग के लिए डायपर भी भेंट किए गए।

उल्लेखनीय है कि श्री सांई नाथ जन सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न त्योहारों को अलग-अलग अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों एवं जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर मनाया जाता है। समिति का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करना ही नहीं, बल्कि उनके जीवन में अपनापन, सम्मान और खुशियों का एहसास कराना भी है। वृद्धजनों के चेहरों पर खिली मुस्कान और उनके उत्साह ने इस आयोजन को सभी के लिए यादगार बना दिया।

गोपाष्टमी पर गौशाला में की पूजा-अर्चना, पक्षी घर का किया लोकार्पण

गौमाता भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका गोपाष्टमी के अवसर पर विश्वगीता धेनु गोविंद पक्षी सेवा धाम, परसदा, कुम्हारी पहुंचे। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण और गौ माता के दर्शन किए और उनकी पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने गौधाम में स्थापित पक्षी घर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने गौशाला का भ्रमण किया और गौ माता को चारा खिलाकर उनकी सेवा की।

राज्यपाल डेका ने प्रदेशवासियों को गोपाष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप और गौ माता के प्रति हमारी श्रद्धा एवं आस्था का पर्व है। भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष स्थान है। हालांकि गौसेवा केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि बीमार, घायल, वृद्ध और बेसहारा गोवंश की देखभाल करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर बढ़ते यातायात के कारण गोवंश के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में घायल गोवंश को समय पर उपचार उपलब्ध कराना आवश्यक है। इस दिशा में गौ अस्पताल और रेस्क्यू सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सदियों से गौवंश पर आधारित रही है। गांवों में गोबर का उपयोग अनेक कार्यों में किया जाता था। गोबर और मिट्टी से बने घर पर्यावरण के अनुकूल होते थे। समय के साथ हमारी पारंपरिक जीवनशैली में बदलाव आया है। हमें फिर से प्रकृति के अनुकूल जीवन पद्धति अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि गोबर से बायोगैस और जैविक खाद को बढ़ावा देने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है।

श्री डेका ने कहा कि गौ माता की सेवा और सतत विकास की अवधारणा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में गोवंश का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे गौशालाओं में आएं, कुछ समय बिताएं और गौ माता की सेवा में सहभागी बनें। इससे सेवा भाव विकसित होने के साथ मानसिक शांति भी मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करना चाहिए, जिसमें किसी प्रकार के लेन-देन की भावना न हो और जिससे समाज का भला हो।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमें जैविक और प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। गोबर से बनी खाद के उपयोग से खेती की गुणवत्ता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि गोबर खाद के उपयोग को बढ़ावा देने से गोवंश का महत्व बढ़ेगा और लोग उनकी बेहतर देखभाल के लिए प्रेरित होंगे। प्रेरक वक्ता उज्ज्वल पाटनी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए गौसेवा के लिए प्रत्येक व्यक्ति से अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। गौधाम के संरक्षक गोपाल प्रसाद सुल्तानिया ने कहा कि सड़कों पर गौ माताओं की दुर्दशा और उनकी देखभाल की आवश्यकता को देखते हुए इस गौधाम की परिकल्पना की गई थी, जिसे अब साकार रूप दिया गया है।

प्रमुख ट्रस्टी सुधीर सुल्तानिया ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, संपत अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सुल्तानिया परिवार के सदस्य, गौसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शीतला तालाब किनारे अवैध निर्माण को जेसीबी से ढहाया



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छठ पूजा पर्व को देखते हुए शहर के तालाबों एवं घाटों में साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के दौरान महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड स्थित शीतला तालाब का निरीक्षण किया था। इस दौरान तालाब किनारे में शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया। महापौर ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को स्थल पर बुलाकर अवैध निर्माण के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।महापौर के निर्देश पर नगर निगम द्वारा अतिक्रमणकर्ता शेरू मरकाम को शासकीय भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को हटाने के लिए विधिवत नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के माध्यम से तीन दिवस के भीतर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समयावधि बीत जाने के बाद भी अतिक्रमणकर्ता द्वारा न तो अवैध निर्माण हटाया गया और न ही नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत किया गया।

इसके पश्चात आज नगर निगम के प्रभारी भवन अधिकारी गिरीश दीवान के नेतृत्व में सहायक भवन निरीक्षक विनोद मांझी सहित निगम की टीम मौके पर पहुंची।

टीम द्वारा जेसीबी की मदद से शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर किए गए अतिक्रमणकर्ता शेरू मरकाम के द्वारा एक अवैध निर्माण को हटाकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया।नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शहर के तालाबों, सार्वजनिक स्थलों एवं शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा अथवा निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

बूथ जीता तो चुनाव जीता, रिसाली के सभी 40 वार्डों में भाजपा को जीत दिलाना हमारा लक्ष्य : ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने रिसाली निगम क्षेत्र में चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्ड शक्तिकेंद्रों की बैठकों में शामिल होकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की तथा कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठकों के माध्यम से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और सभी 40 वार्डों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

शक्तिकेंद्रों की बैठकें तालपुरी बी ब्लॉक वार्ड क्रमांक 01, रुआबांधा भाठापारा कर्मा भवन वार्ड क्रमांक 02, रुआबांधा दुर्गा मंच वार्ड क्रमांक 03, रुआबांधा वार्ड क्रमांक 04, एचएससीएल कॉलोनी रिसाली वार्ड क्रमांक 05 तथा रुआबांधा सेक्टर नारी जागरण वार्ड क्रमांक 06 में आयोजित की गईं। बैठकों को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि नगर निगम चुनाव में जीत का रास्ता बूथ से होकर गुजरता है। हमारा मूल मंत्र है- बूथ जीता तो चुनाव जीता। भाजपा का लक्ष्य रिसाली नगर निगम के सभी 40 वार्डों में जीत दर्ज करना है। उन्होंने कहा कि एक-एक कार्यकर्ता पार्टी की असली ताकत है। कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के बल पर ही भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है। अब इसी ऊर्जा और परिश्रम के साथ निगम चुनाव में भी जुटना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने बूथ को परिवार मानकर जिम्मेदारी निभाएं। मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करें तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाएं। विधायक ने कहा कि रिसाली क्षेत्र में भाजपा के विकास कार्यों और डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों के आधार पर पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। इस अवसर पर रिसाली निगम चुनाव सहप्रभारी आशु चंद्रवंशी ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव की तैयारियों को अब अंतिम रूप देने का समय है।

सुरक्षा जागरूकता एवं सुरक्षित कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग में सुरक्षा सप्ताह प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग में 17 से 21 नवंबर 2026 तक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देना, व्यवहार-आधारित सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करना तथा 'शून्य हानि' के लक्ष्य की दिशा में प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी और सहभागिता सुनिश्चित करना है। सुरक्षा सप्ताह का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक बी. मधु पिल्लई ने किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (टेलीकॉम) एच. आर. सिरमौर, महाप्रबंधक (ए एंड डी) उदय भगत, महाप्रबंधक प्रभारी (एसईडी) संजय अग्रवाल तथा सहायक महाप्रबंधक (आरसीएल) दिवाकर सिरमौर उपस्थित रहे। समारोह में इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के महाप्रबंधक ए. एम. डैनी, जी. के. कुंडू, सिम्मी गोस्वामी, रजनीश जैन एवं जोसेफ एम. जॉय सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल हुए। सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रंगोली, नारा लेखन, पोस्टर निर्माण, नाटक एवं स्किट, सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, समूह चर्चा, सुरक्षा भाषण तथा सुरक्षा कविता जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इन गतिविधियों के माध्यम से कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटनाओं की रोकथाम, सुरक्षित अनुरक्षण कार्यप्रणालियों तथा व्यक्तिगत एवं सामूहिक सुरक्षा जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इंस्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन प्रणालियाँ, औद्योगिक प्रक्रियाओं की निगरानी एवं नियंत्रण, उपकरणों के सुरक्षित संचालन तथा असामान्य परिस्थितियों की समय रहते पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में इन प्रणालियों के संचालन एवं अनुरक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन, सतर्कता और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करना आवश्यक है। इन गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति सजग रहने, निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने तथा कार्यस्थल पर स्वयं और सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी राकेश वर्मा ने किया। इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग द्वारा आयोजित सुरक्षा सप्ताह कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने, कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा 'शून्य हानि' के लक्ष्य को केंद्र में रखकर कार्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने संभाली यातायात जागरूकता की कमान

बच्चों ने माता-पिता से की हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और तेज रफ्तार से बचने की अपील, कहा- सुरक्षित घर लौटना है, हमें आपका इंतजार है

श्रीकंचनपथ न्यूज



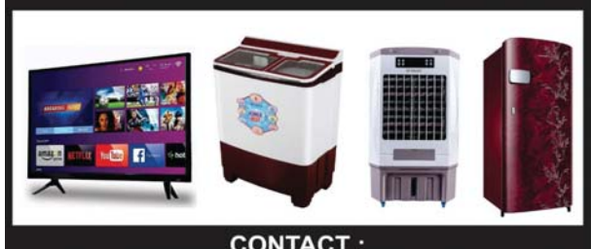
दुर्ग। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए दुर्ग यातायात पुलिस द्वारा अनूठी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में 17 नवंबर को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) रिसाली के विद्यार्थियों को ट्रैफिक पार्क का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने यातायात नियमों की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही स्वयं सड़क सुरक्षा के संदेशवाहक बनकर अपने माता-पिता, परिजनों और आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

ट्रैफिक पार्क में यातायात पुलिस के जवानों ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक सिग्नल, विभिन्न सड़क संकेतकों, जेब्रा क्रॉसिंग और सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों की व्यावहारिक जानकारी दी। बच्चों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया गया कि सड़क पर चलते समय किन सावधानियों का ध्यान रखना जरूरी है और यातायात नियमों का पालन करके दुर्घटनाओं से किस प्रकार बचा जा सकता है। विद्यार्थियों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य सुरक्षा उपाय हैं। इसके साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा सड़क पर हमेशा सतर्क रहने की समझाइश दी गई।

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक पहलू तब देखने को मिला, जब बच्चों ने स्वयं अपने माता-पिता और परिजनों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। बच्चों ने भावुक अपील करते हुए कहा, मम्मी-पापा, हेलमेट पहनकर ही गाड़ी चलाना, कार में सीट बेल्ट लगाना, तेज रफ्तार से बचना और गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात मत करना। सुरक्षित घर लौटना है, हमें आपका इंतजार है। बच्चों की इस अपील के माध्यम से यातायात पुलिस ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है।

बच्चों के माध्यम से परिवारों तक यातायात नियमों के पालन का संदेश पहुंचाने की यह पहल जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

दुर्ग यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाने से बचें तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। साथ ही बच्चों को भी यातायात नियमों की जानकारी देकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाएं।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



हेल्पलाइन से 24 घंटे में दूर हुई पेयजल समस्या, मिली बड़ी राहत

बीजापुर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण का सशक्त माध्यम मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 बनकर उभर रही है। शासन की इस जनहितैषी पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को भी अपनी समस्याओं का शीघ्र समाधान मिल रहा है। इसका सकारात्मक उदाहरण छत्तीसगढ के बीजापुर जिले के विकासखण्ड उसूर अंतर्गत ग्राम इलमिड़ी में देखने को मिला, जहां लगभग 45 दिनों से खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर कर दी गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की तत्परता से गांव में पेयजल सुविधा पुन: बहाल हुई और ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली।

बीजापुर जिले के ग्राम इलमिड़ी में मंदिर के समीप स्थित हैंडपंप लगभग डेढ़ महीने से खराब था। इसके कारण आसपास निवासरत ग्रामीणों को पेयजल एवं दैनिक उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लंबे समय से बनी इस समस्या के समाधान के लिए ग्राम निवासी श्री कृष्णा यादव ने 07 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराते हुए हैंडपंप की शीघ्र मरम्मत कराने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत प्राप्त होते ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। विभागीय अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर हैंडपंप का निरीक्षण किया गया तथा खराबी का पता लगाकर 08 अक्टूबर 2026 को मरम्मत कार्य पूर्ण कर हैंडपंप को पुन: चालू कर दिया गया।

स्वस्थ मातृत्व-सुपोषित शिशु का संकल्प, गर्भवती माताओं की गोदभराई कर बांटी खुशियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर धमतरी जिले के ग्राम दुगली में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में मातृत्व के सम्मान, पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता की अनूठी झलक देखने को मिली। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोदभराई कार्यक्रम में गर्भवती माताओं को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्मानित कर उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित मातृत्व की मंगलकामना की गई।

इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा और लोकसभा सांसद भोजराज नाग सहित अन्य अतिथियों ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें पोषण बास्केट भेंट की।

कार्यक्रम में पारंपरिक गोदभराई की रस्म के माध्यम से मातृत्व के प्रति सम्मान और अपनत्व का संदेश दिया गया। गर्भवती महिलाओं को पोषण बास्केट प्रदान करने के साथ ही



गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक एवं संतुलित भोजन, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक देखभाल के महत्व से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को बताया गया कि गर्भावस्था के दौरान उचित पोषण का विशेष महत्व है। भोजन में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का समावेश मां के स्वास्थ्य तथा गर्भस्थ शिशु के समुचित विकास के लिए जरूरी है। इसके साथ ही नियमित स्वास्थ्य जांच, निर्धारित टीकाकरण, स्वच्छता और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार आवश्यक देखभाल अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं का लाभ लेने तथा परिवार को गर्भवतियों की उचित देखभाल में सक्रिय सहयोग देने को कहा गया।

नारागांव बनेगा प्रदेश का पहला शत-प्रतिशत सौर ऊर्जा संचालित गांव : उपमुख्यमंत्री शर्मा

पेयजल और आवास योजनाओं पर भी दिया जोर



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में बालोद में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। कांकेर सांसद भोजराज नाग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर श्री शर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा सहित देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले जनजातीय वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों पर चलते हुए छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, उत्थान और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समारोह में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं संगीतमय कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में समाज और देश के लिए जो योगदान दिया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने जनजातीय समाज के संघर्ष, साहस और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय वीरों ने देश की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उप मुख्यमंत्री ने जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक गांव और प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचें। उन्होंने बताया कि जिले में पेयजल के लिए कनेरी-धनोरा मल्टी विलेज स्कीम का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस योजना से अनेक गांवों के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बालोद जिले का नारागांव प्रदेश का पहला ऐसा गांव बनने की दिशा में अग्रसर है, जहां सभी घरों और शासकीय कार्यालयों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की पहल की जा रही है। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलने के साथ बिजली पर निर्भरता भी कम होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में अपनी भागीदारी बढ़ा सकें।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक में दिखा खिलाड़ियों का दमखम



श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव। जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का शुभारंभ तीरंदाजी प्रशिक्षण मैदान में किया गया। जिले के पांचों विकासखंडों से करीब 1340 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी संभागीय स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

शुरुआत रस्साकशी से हुई। सीनियर महिला वर्ग में बड़ेराजपुर की खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को उचित मंच उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। बस्तर ओलंपिक इसी सोच को धरातल पर उतारने वाली महत्वपूर्ण पहल है। कोंडागांव जिले के पांचों विकासखंडों के खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में हिस्सा ले रहे हैं। जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे संभागीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

आयोजन के दौरान जिले के जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी और प्रतिभागी खिलाड़ी व ग्रामीणजन काफी संख्या में उपस्थित थे।

शिक्षा से संवरेंगे बच्चों के सपने, प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर : टंकराम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने 16 नवंबर को नारायणपुर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, भविष्य के सपनों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और जीवन में सफलता की मजबूत आधारशिला है।

श्री वर्मा ने कुम्हारपारा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के लक्ष्यों के संबंध में चर्चा की। विद्यार्थियों के उत्साह और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम



आवश्यक है। प्रत्येक बच्चे में अपार प्रतिभा और संभावनाएं होती हैं। आवश्यकता उन्हें सही दिशा, बेहतर मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने की है।

इस अवसर पर श्री वर्मा ने विद्यालय के प्राचार्य से शैक्षणिक व्यवस्थाओं, कक्षाओं की स्थिति, शौचालयों की उपलब्धता और परिसर की स्वच्छता सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक एवं सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण के महत्व को रेखांकित किया।

इसके पश्चात श्री वर्मा ने नारायणपुर के बखरूपारा स्थित निरामय आरोग्य संस्थान के बालक एवं बालिका छात्रावास का भ्रमण किया। यहां उन्होंने नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों से आए बच्चों के बीच समय बिताया। बच्चों से आत्मीय बातचीत करते हुए उनके रहन-सहन, अध्ययन, दैनिक गतिविधियों और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बस्तर के जनजातीय एवं दूरस्थ अंचलों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जो कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों के जीवन में नई उम्मीदें जगाती है और उन्हें बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा के माध्यम से जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। बच्चों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मंत्री श्री वर्मा ने निरामय आरोग्य संस्थान द्वारा बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के ये बच्चे कल अपने परिवार, समाज और प्रदेश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आम की उच्च सघन बागवानी, लगाए गए उन्नत किस्म के पौधे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मार्गदर्शन में उच्च सघनता बागवानी कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके तहत आज विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में आम की उन्नत किस्मों का रोपण किया गया। कुलपति डॉ. चंदेल सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आम की 'अर्का उदय' एवं 'अर्का सुप्रभात' जैसी उन्नत किस्मों का सघन रोपण किया गया। इन किस्मों से न केवल आम का उत्पादन बढ़ेगा और बेहतर स्वाद और टिकाऊपन के कारण बड़े बाजार तक पहुंचेगा।

उच्च सघनता बागवानी योजना के तहत विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में दो एकड़ क्षेत्र में आम की उन्नत किस्मों के दो सौ से भी अधिक पौधों का रोपण किया जा रहा है। यहां के पौधों के बीच में अदरक, जिमीकंद आदि अन्तरवर्ती फसलें भी लगाई जाएंगी। इस अवसर पर डा. चंदेल ने फल विज्ञान विभाग द्वारा संचालित अन्य गतिविधियों



का जायजा भी लिया।

उच्च सघनता रोपण प्रणाली आम की वैज्ञानिक बागवानी की एक महत्वपूर्ण तकनीक है। परंपरागत आम बागों में सामान्यत: 10 म 10 मीटर की दूरी पर पौधे लगाए जाते हैं, जिससे प्रति हेक्टेयर पौधों की संख्या सीमित रहती है। इसके विपरीत उच्च सघनता प्रणाली में 5 म 5 मीटर दूरी पर लगभग 400 पौधे प्रति हेक्टेयर लगाए जा सकते हैं।

इस प्रणाली का उद्देश्य सीमित भूमि में अधिक पौधे लगाकर उत्पादन क्षमता बढ़ाना तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करना है।

फल विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. घनश्याम साहू ने बताया कि उच्च सघनता आम बाग की स्थापना के लिए अच्छी जल निकास वाली उपजाऊ भूमि का चयन करना चाहिए।

स्वस्थ एवं प्रमाणित कलमी पौधों का रोपण वर्षा ऋतु में करना उपयुक्त रहता है। पौधों की नियमित सिंचाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ समय-समय पर प्रशिक्षण एवं छंटाई करना आवश्यक है।

छंटाई से पौधों की ऊंचाई एवं फैलाव नियंत्रित रहता है तथा सूर्य का प्रकाश और हवा पौधों के अंदर तक पहुंच पाते हैं। इस प्रणाली में पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखना, अनावश्यक शाखाओं को हटाना तथा छत्र प्रबंधन करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इससे बाग में प्रकाश एवं वायु संचार बेहतर होता है और पौधों के बीच प्रतिस्पर्धा कम करने में सहायता मिलती है।

उच्च सघनता बागवानी किसानों के लिए आधुनिक फल उत्पादन की एक उपयोगी संभावना प्रस्तुत करती है। वैज्ञानिक ढंग से किस्मों का चयन, उचित रोपण दूरी, नियमित छंटाई एवं उन्नत बाग प्रबंधन अपनाकर आम उत्पादन को अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी बनाया जा सकता है। यह तकनीक विशेष रूप से उन किसानों के लिए उपयोगी है जो सीमित भूमि में व्यावसायिक फल उत्पादन करना चाहते हैं।

नक्सल खात्मे के बाद बस्तर में तेज हुई विकास की रफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोक निर्माण विभाग द्वारा आकांक्षी जिला कांकेर के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने वृहद पुलों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग और कांकेर जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई राह खुल रही है। पिछले तीन वर्षों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच 174 करोड़ रुपए की लागत से 24 उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण पूर्ण किए गए हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद समूचे बस्तर संभाग में सड़कों व पुलों के निर्माण में और तेजी आई है।

कांकेर के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल कोयलीबेड़ा से पखांजूर मार्ग पर वालेर नदी पर 20 करोड़ रुपए, मेढ़की नदी पर 12 करोड़ रुपए एवं महला नदी पर 6 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से पुलों का निर्माण किया गया है। इसी तरह भैंसगांव से आतुरबेड़ा मार्ग पर मेढ़की नदी पर 9 करोड़ 86 लाख रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल बनाया गया है। इनके निर्माण से जिले के लगभग 210 गांवों की 1 लाख 68 हजार आबादी को विकासखंड, तहसील एवं जिला मुख्यालय से बारहमासी संपर्क की सुविधा मिली है।



कांकेर जिले में वृहद पुल निर्माण कार्यों में तेजी आई है। विगत कुछ महीनों में 9 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है। इनमें करेगांव-मंडगांव मार्ग पर 7 करोड़ 46 लाख रुपए, बांसपत्तर-तिरियारपानी मार्ग पर 4 करोड़ 58 लाख रुपए, टुरी नदी पर 4 करोड़ 50 लाख रुपए तथा कापसी (पी.वी.-130)-पखांजूर मार्ग में त्रास नाला पर 6 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत से निर्मित पुल शामिल हैं। इन पुलों के निर्माण से जिले के 80 गांवों की लगभग 56 हजार आबादी को वर्षभर आवागमन की सुविधा उपलब्ध हुई है।

नक्सल समस्या समाप्त होने के बाद नारायणपुर माड़ क्षेत्र सहित कांकेर जिले के सुदूर अंचलों में विकास और अंतरराज्यीय संपर्क को मजबूत करने वाले महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। इनमें मरबेड़ा-सितरम मार्ग पर कोटरी नदी में 19 करोड़ रुपए, कोयलीबेड़ा-दुता मार्ग पर मेढ़की नदी में 10 करोड़ रुपए तथा ताड़ोकी-बैहासाल्हेभाट मार्ग पर मेढ़की नदी में 6 करोड़ रुपए की लागत से पुल निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा सोनपुर-नारायणपुर मार्ग पर बेचाघाट में कोटरी नदी पर 17 करोड़ रुपए की लागत से वृहद पुल का निर्माण तेजी से जारी है। इन पुलों के पूर्ण होने से दुर्गम क्षेत्रों में संपर्क बेहतर होगा तथा महाराष्ट्र से अंतरराज्यीय आवागमन की भी सुविधा मिलेगी।

कांकेर जिले के ग्रामीण अंचलों को मुख्य जिला मार्गों, राज्य मार्गों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने तथा विकासखंड, तहसील एवं जिला मुख्यालयों से बारहमासी संपर्क सुनिश्चित करने 19 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। 10 नए उच्च स्तरीय पुलों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृत पुलों में राजनांदगांव-बैलाडीला मार्ग पर निब्रा नदी में 6 करोड़, मरोड़ा-बेलगांव-छोटेबिटिया मार्ग पर बेलगांव नाला में 4 करोड़, भानुप्रतापपुर-पखांजूर मार्ग पर पासंगी नाला में 5.50 करोड़ , कोदाभाट-माटवाड़ा-मोदी मार्ग पर दूध नदी में 16 करोड़, सटेली-डांगरा मार्ग पर खंडी नदी में 12 करोड़ तथा हाटकर्रा-कोटगांव मार्ग पर चिनार नदी में 6 करोड़ रुपए की लागत के पुल शामिल हैं।





कॉल मी बे 2 : कब और कहां स्ट्रीम होगी अनन्या पांडे की सीरीज?

अनन्या पांडे अपकमिंग सीरीज 'कॉल मी बे' को लेकर चर्चा में हैं। कॉलिन डी कुन्हा के निर्देशन में बनी इस सीरीज में अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आएंगी। 'कॉल मी बे' सीजन 2 को करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता ने धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।



प्राइम वीडियो ने 17 नवंबर 2026 को हिंदी ओरिजिनल सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन के वर्ल्डवाइड स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की है। यह सीरीज ठीक एक महीने बाद 17 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। यह आठ एपिसोड वाली सीरीज अपने ह्यूमर, ग्लैमर और दोस्ती के अनोखे मेल के साथ वापसी कर रही है। इसमें बे की जिंदगी पहले से भी ज्यादा उलझी हुई है। इस बार वह अपने दिल और बहन कोड को भी आजमाती नजर आने वाली है।

'कॉल मी बे 2' की स्टारकास्ट

नई सीरीज अपने साथ टैलेंटेड एक्टर्स की टीम लेकर आ रही है। इसमें अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आने वाली हैं, जबकि श्रुति कमल हासन भी सीरीज का हिस्सा बन रही हैं। इनके अलावा इसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम किरदारों को निभाते दिखाई देने वाले हैं। बेला 'बे' चौधरी (अनन्या पांडे) जीत के जोश, बड़े सपनों और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ वापस आ गई है। मगर जहां उसका करियर ऊपर की तरफ जा रहा है, वहीं उसकी लव लाइफ उतनी ही उलझी हुई है। अब जब दो चाहने वाले बे के दिल को अलग-अलग राह पर अपनी तरफखींच रहे हैं। ऐसे में उसे रोमांस, हार्टब्रेक से लेकर किए गए कई गलत फैसलों से दो चार होना पड़ता है। इस बार भी बे अपने सिग्नेचर स्टाइल में हर मुश्किल और ट्विस्ट का सामना करने वाली है।

सीरीज पर क्या बोले करण जौहर?

सीरीज के निर्माता करण जौहर ने कहा, 'सीजन 1 को दर्शकों से मिले प्यार और शानदार रिस्पॉन्स से साफहो गया था कि लोग बे की उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी और अपनी शर्तों पर जीने के उसके अंदाज से काफी जुड़ाव महसूस करते हैं। सीजन 2 में हम इस कहानी को और आगे ले जाना चाहते थे, जहां बे के कुछ नए पहलुओं को दिखाने के साथ-साथ उसका वही मजेदार अंदाज, इमोशन और बेबाकी भी बरकरार रहेगी।

कमल-सारिका के अलग होने के बाद भी श्रुति के मन में बसी है उनकी लव स्टोरी

साउथ और बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी फिल्मों के साथ-साथ बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री शादी और रिश्तों को लेकर कई बार अपनी राय रख चुकी हैं। अब एक बार फिर श्रुति ने अपनी पर्सनल लाइफ और माता-पिता कमल हासन व सारिका के रिश्ते पर खुलकर बात की है।

उन्होंने बताया कि भले ही उनके माता-पिता आज साथ नहीं हैं, लेकिन जब वे एक-दूसरे के साथ थे, तब उनके बीच बेहद गहरा प्यार था। दोनों न सिर्फ एक-दूसरे के साथ वक्त बिताना पसंद करते थे, बल्कि साथ मिलकर काम करना और नई चीजें बनाना भी उन्हें अच्छा लगता था। श्रुति ने बताया कि बचपन में माता-पिता के रिश्ते को देखकर ही उनके मन में अपने होने वाले पार्टनर को लेकर एक खास सोच बनी थी।

क्या बोलीं श्रुति हासन?

एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए, श्रुति हासन से पूछा गया कि उनके माता-पिता के रिश्ते ने साथी को लेकर उनकी उम्मीदों को किस तरह प्रभावित किया। इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'हर कोई जानता है कि मेरे माता-पिता अब साथ नहीं हैं। लेकिन जब वे साथ थे, तब उनके बीच बहुत प्यार था। बहुत गहरा प्यार था और वे एक-दूसरे के साथ खूब मस्ती करते थे। उन्हें साथ में काम करना और चीजें बनाना पसंद था। वे एक-दूसरे के क्रिएटिव पार्टनर भी थे।'

श्रुति ने आगे बताया कि बचपन में ही उन्होंने सोच लिया था कि जब वह बड़ी होंगी और उनकी जिंदगी में कोई बॉयफ्रेंड या पति आएगा, तो दोनों को साथ मिलकर कुछ करना चाहिए। उनके मुताबिक, रिश्ते में सिर्फ एक-दूसरे के साथ रहना ही नहीं, बल्कि मिलकर कुछ बनाना और एक-दूसरे का साथ देना भी जरूरी है।

कब अलग हुए थे कमल हासन और सारिका

बता दें कि कमल हासन और सारिका ने साल 1988 में शादी की थी। दोनों की दो बेटियां श्रुति हासन और अक्षरा हासन हैं। हालांकि, शादी के करीब 14 साल बाद साल 2002 में दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद साल 2004 में उनका तलाक हो गया। भले ही दोनों का रिश्ता आगे नहीं चल पाया, लेकिन श्रुति के मन में उनके साथ बिताए गए वक्त और उनके आपसी जुड़ाव की यादें आज भी खास जगह रखती हैं।

माता-पिता ने नहीं बिगड़ने दी परवरिश

बातचीत में श्रुति ने अपनी परवरिश को लेकर भी दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद उनके माता-पिता ने उन्हें कभी जरूरत से ज्यादा बिगाड़ने की कोशिश नहीं की। उनके पिता कमल हासन खासतौर पर स्कूल के दिनों में उनकी हर मांग पूरी नहीं करते थे।

उस वक्त भले ही उन्हें यह बात समझ नहीं आती थी, लेकिन बड़ी होने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि माता-पिता का यह तरीका उनकी परवरिश के लिए कितना जरूरी था। उन्होंने उन्हें जिंदगी की अहमियत और चीजों को पाने के लिए मेहनत करने की सीख दी।

शादी को क्यों जरूरी नहीं मानती श्रुति हासन?

श्रुति हासन पहले भी शादी को लेकर अपने विचार साफ कर चुकी हैं। वह कई बार कह चुकी हैं कि उन्हें किसी के साथ रहना और एक-दूसरे का साथ पसंद है, लेकिन इसके लिए शादी करना जरूरी नहीं मानतीं।

आर्टिस्ट शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में रहते हुए भी उनका यही नजरिया रहा। दोनों करीब चार साल तक साथ रहे और साल 2024 में आपसी सहमति से अलग हो गए। इसके बाद श्रुति ने खुद के सिंगल होने की पुष्टि की थी और बताया था कि फिलहाल उनका ध्यान अपने काम और खुद के विकास पर है।



महेश बाबू की वाराणसी में डबिंग का काम बाकी

मेकर्स बोले- धमाके के लिए करना होगा इंतजार

निर्देशक एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी को लेकर दर्शकों और फैंस के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन, कंप्यूटर ग्राफिक्स (सीजी) और बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार करने का काम अभी तेजी से चल रहा है। फिल्म की डबिंग अभी शुरू नहीं हुई है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी दी है। दरअसल, एक फैन ने फिल्म के आधिकारिक एक्स हैंडल पर फिल्म की मौजूदा स्थिति को लेकर सवाल पूछा था। इसके जवाब में मेकर्स ने लिखा, 'शूटिंग पूरी हो गई है। पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। सीजी पर काम हो रहा है और री-रिकॉर्डिंग (आरआर) भी जारी है। डबिंग शुरू करनी है। अगर आपको लगता है कि यह अपडेट है, तो यह अपडेट है। अगर नहीं, तो धमाके के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।' इससे पहले फिल्म के निर्माता एसएस कार्तिकेय ने इसी साल सितंबर में आईएएनएस को दिए एक खास इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन तेजी से चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि अगले साल जनवरी तक यह काम पूरा हो जाएगा।

एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही वाराणसी में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म का संगीत एमएम कीरवानी ने तैयार किया है। इसका निर्माण श्री दुर्गा आर्ट्स और शोइंग बिजनेस के बैनर तले किया जा रहा है। वाराणसी के टाइटल टीजर लॉन्च पर एसएस राजामौली ने महेश बाबू के किरदार रुद्र के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था कि रुद्र का जन्म बड़े उद्देश्य को पूरा करने के लिए हुआ है। वह ऐसी किस्मत लेकर चलता है, जिसे उसने खुद नहीं चुना। वह मजाकिया होने के साथ-साथ भावुक और निडर भी है। महेश बाबू ने अपने किरदार में इन सभी खूबियों को बखूबी उतारा है। रमेकर्स फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रियंका चोपड़ा के किरदारों की झलक भी पहले ही दिखा चुके हैं। फिल्म में पृथ्वीराज खलनायक कुंभा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी के किरदार में नजर आएंगी।



क्या गैंगस्टर रोल में नहीं रही पंकज त्रिपाठी की दिलचस्पी?



अभिनेता पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'पारिवारिक मनुरंजन' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है। पंकज त्रिपाठी ने अलग-अलग किस्म के किरदार किए हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक 'मैं अटल हूं' में वे मुख्य भूमिका निभा चुके हैं। अब वे किसकी बायोपिक करना चाहेंगे? आज फिल्मों के प्रमोशन पर बड़े बजट खर्च होते हैं। क्या अच्छी कहानी बिना बड़े प्रमोशन के भी दर्शकों तक पहुंच सकती है? इस पर पंकज कहते हैं, 'बिल्कुल पहुंच सकती है। ऑडियंस आजकल अच्छा कंटेंट खोज लेती है। इंटरनेट का एक अच्छा पक्ष यही है कि बिना प्रमोशन के जनता ही प्रमोट कर देती है।

ऐसा नहीं है कि बहुत पैसा लगाकर ही कंटेंट लोगों तक पहुंच सकता है। हमने एक वेब सीरीज प्रोड्यूस की थी, जो यूट्यूब पर आई थी। लोगों ने उसे खोजा और देखा। फिर दूसरे प्लेटफॉर्म ने उसे मांगा और हमने सोनी लिव को दे दिया। अच्छा कंटेंट पहुंच ही जाता है। अभी उदाहरण के लिए 'हनुमान अंश' फिल्म देखिए। मैंने वह फिल्म नहीं देखी है, लेकिन तीसरे हफ्ते में लोगों को पसंद आई और पब्लिक ने उसकी मार्केटिंग करके उसे ब्लॉकबस्टर बना दिया। मेकर्स तो पहले हफ्ते से प्रमोशन करते हैं, लेकिन तीसरे हफ्ते में पब्लिक ने ही उसे ब्लॉकबस्टर बना दिया। लोगों को जो अच्छा लगता है, वह इंटरनेट के जरिये फैल जाता है। अच्छी चीजें भी फैलती हैं और दुर्भाग्य से नकारात्मक बातें भी फैलती हैं।'

अगर पंकज की जिंदगी पर बायोपिक बनाने या उनकी आत्मकथा लिखने का प्रस्ताव आए तो क्या वह इसके लिए तैयार होंगे? इस पर वह कहते हैं, 'नहीं, मैं आत्ममुग्ध व्यक्ति नहीं हूं कि मेरे जीवन पर बायोपिक बने। कई लोगों ने मुझे किताब लिखने के ऑफर दिए हैं। लोग कहते हैं कि भाई, आपको किताब लिखनी चाहिए। लेकिन मुझे न किताब लिखनी है और न आत्मकथा लिखनी है। क्या अब गैंगस्टर जैसे किरदार करने में उनकी दिलचस्पी नहीं रही? इस पर वह कहते हैं, 'गैंगस्टर टाइप के रोल अब मुझे समझ नहीं आते। बहुत हो गया, अब बहुत हो गया।'

सर्दियों में कुर्ती के साथ पहनें ये 7 बॉटम वियर, सिंपल लुक भी लगेगा स्टाइलिश

सर्दियों में कुर्ती पहनने के लिए आपको अपने फैशन से समझौता करने की जरूरत नहीं है। वूलन लेगिंग्स, स्ट्रेट जींस, पलाजो और ट्राउजर जैसे बॉटम वियर के साथ आप अपनी पुरानी कुर्तियों को भी नया लुक दे सकती हैं। सही फैब्रिक, रंग और फिटिंग का चुनाव करके ठंड में भी स्टाइलिश और खूबसूरत दिख सकती हैं।



सर्दियों का मौसम आते ही महिलाओं के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि ठंड से बचने के साथ-साथ स्टाइलिश कैसे दिखें। खासकर अगर आपको कुर्ती पहनना पसंद है तो विंटर सीजन में अपने लुक को लेकर थोड़ी उलझन हो सकती है। गर्मियों में कुर्ती के साथ प्लाजो या लेगिंग्स पहनना आसान होता है, लेकिन सर्दियों में कपड़ों का चुनाव करते समय आराम और फैशन दोनों का ध्यान रखना पड़ता है। कई बार सही बॉटम वियर न चुनने के कारण पूरा आउटफिट साधारण नजर आने लगता है। हालांकि, अब आपको सर्दियों में अपनी पसंदीदा कुर्तियों को अलमारी में रखने की जरूरत नहीं है। बस उनके साथ सही बॉटम वियर को स्टाइल करने का तरीका जानना जरूरी है। आप जींस, ट्राउजर, वूलन लेगिंग्स से लेकर स्ट्रेट पैंट तक कई विकल्पों को अपनी कुर्ती के साथ पहन सकती हैं। ये बॉटम वियर न सिर्फआपको आरामदायक लुक देंगे, बल्कि आपकी पर्सनैलिटी को भी आकर्षक बनाएंगे।

सर्दियों में कुर्ती के साथ पहनें ये 7 तरह के बॉटम वियर

वूलन लेगिंग्स

सर्दियों में कुर्ती के साथ वूलन लेगिंग्स सबसे आरामदायक विकल्पों में से एक हैं। ये पैरों को ठंड से बचाने में मदद करती हैं और लंबी कुर्ती के साथ काफी अच्छी लगती हैं। आप ब्लैक, ग्रे या नेवी ब्लू रंग की लेगिंग्स चुन सकती हैं। ये लगभग हर रंग की कुर्ती के साथ आसानी से मैच हो जाती हैं।

स्ट्रेट फिट जींस

अगर आप एथनिक और वेस्टर्न का मिक्स लुक चाहती हैं तो कुर्ती के साथ स्ट्रेट फिट जींस पहन सकती हैं। शॉर्ट कुर्ती के साथ ब्लू या ब्लैक जींस काफी स्टाइलिश लगती है। कॉलेज, शॉपिंग और कैजुअल आउटिंग के लिए यह अच्छा विकल्प है।

वाइड लेग ट्राउजर

वाइड लेग ट्राउजर इन दिनों फैशन में काफी पसंद किए जा रहे हैं। इन्हें लॉन्ग या शॉर्ट कुर्ती के साथ पहनकर मॉडर्न लुक पाया जा सकता है। सर्दियों में मोटे फैब्रिक वाले ट्राउजर चुनें। इसके साथ लॉन्ग कोट या श्रग भी अच्छा लगेगा।

वूलन पलाजो

अगर आपको आरामदायक और ट्रेडिशनल लुक पसंद है तो वूलन पलाजो ट्राई करें। ये कुर्ती के साथ खूबसूरत दिखते हैं और ठंड के मौसम में भी पहनने के लिए अच्छे रहते हैं। लॉन्ग कुर्ती के साथ एक ही रंग का पलाजो पहनकर आप एलिगेंट लुक पा सकती हैं।

स्ट्रेट पैंट

स्ट्रेट पैंट कुर्ती के साथ एक क्लासी और सलीकेदार लुक देती हैं। ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए यह बेहतरीन विकल्प हो सकता है। कॉटन ब्लेंड या थोड़े मोटे फैब्रिक वाली पैंट चुनें। इसके साथ लॉन्ग कुर्ती और जैकेट पहनकर प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं।

धोती पैंट

कुछ अलग और फैशनेबल पहनना चाहती हैं तो कुर्ती के साथ धोती पैंट ट्राई कर सकती हैं। शॉर्ट कुर्ती और असिमेट्रिकल कुर्ती के साथ ये काफी आकर्षक लगती हैं। फेस्टिवल या फैमिली फंक्शन के लिए यह अच्छा विकल्प है। सर्दियों में थोड़े मोटे फैब्रिक वाली धोती पैंट चुनें।

सिगरेट पैंट

सिगरेट पैंट उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है जिन्हें फिटेड और स्मार्ट लुक पसंद है। स्ट्रेट या अनारकली कुर्ती के साथ इन्हें पहन सकती हैं। ब्लैक, बेज और क्रीम रंग की सिगरेट पैंट कई तरह की कुर्तियों के साथ अच्छी लगती हैं।

कुर्ती के साथ बॉटम वियर चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

सर्दियों में मोटे और आरामदायक फैब्रिक को प्राथमिकता दें।
कुर्ती की लंबाई के अनुसार बॉटम वियर चुनें।
एक ही रंग के आउटफिट के साथ मोनोक्रोम लुक ट्राई करें।
जूती, बूट्स और स्टोल के साथ अपने लुक को पूरा करें।
बहुत ज्यादा टाइट कपड़ों की जगह आरामदायक फिटिंग चुनें।

खास-खबर

एग्रीस्टेक पंजीयन में रकबा शून्य या कम प्रदर्शित होने पर समितियों में होगा सुधार

कवर्धा। जिले में ऐसे कृषक जिन्होंने पिछले वर्ष एग्रीस्टेक पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया था, लेकिन चालू वर्ष में उनका रकबा शून्य अथवा पूर्व की तुलना में कम प्रदर्शित हो रहा है, ऐसे किसानों के रकबा संबंधी त्रुटियों के सुधार का कार्य संबंधित समितियों में किया जा रहा है। इसी तरह तहसीलदार द्वारा फसल गिरदावरी त्रुटि का सुधार किया जाएगा। कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रभारियों को रकबा सुधार कार्य प्राथमिकता से करने के आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जिन किसानों के एग्रीस्टेक पंजीयन में रकबा शून्य या कम प्रदर्शित हो रहा है, वे अपनी ऋण पुस्तिका लेकर संबंधित समिति में उपस्थित हों।

युवा महोत्सव 2026 : रील से दिखाएं अपना हुनर, जीतें पुरस्कार और बनाएं पहचान

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ युवा महोत्सव 2026 में जिले के युवाओं को अपनी रचनात्मकता, हुनर और प्रतिभा प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिलने जा रहा है। इस बार युवा अपने मोबाइल के माध्यम से महज 60 सेकंड की रील बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इसके लिए **Creative Youth Reel Challenge** आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता के नियम एवं दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। प्रतियोगिता की थीम नशामुक्त युवा फॉर विकसित छत्तीसगढ़ निर्धारित की गई है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

रायगढ़। सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के खरसिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिटकाकानी में खराब पड़े सोलर ड्यूल पंप की समस्या का निराकरण कर पेयजल व्यवस्था बहाल कर दी गई है। पंप के दोबारा चालू होने से अब ग्रामीणों के साथ-साथ राहगीरों को भी पेयजल की सुविधा मिल रही है। ग्राम चिटकाकानी निवासी पीताम्बर प्रधान ने बताया कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल व्यवस्था के लिए स्थापित सोलर ड्यूल पंप तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ा था। जिसके चलते ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध होने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

बड़े सपने, मजबूत संकल्प और निरंतर मेहनत से मिलती है सफलता : वित्त मंत्री

प्रदेश के 22 स्थानों पर विकसित किए जा रहे नालंदा परिसर, युवाओं को मिलेंगी आधुनिक अध्ययन सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए बड़े सपने देखना, मजबूत संकल्प रखना और लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर मेहनत करना आवश्यक है। कठिन परिस्थितियां और संसाधनों की कमी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि व्यक्ति के भीतर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का दृढ़ विश्वास और जुनून हो। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें, सही दिशा में योजनाबद्ध तैयारी करें और असफलताओं से सीखते हुए निरंतर आगे बढ़ें। मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी ऊंचाई तक पहुंचा जा सकता है।



वित्त मंत्री बिलासपुर जिले के तखतपुर स्थित रामसदन में आयोजित शिलान्यास एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 4 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले 250 सीटर नालंदा परिसर का शिलान्यास तथा लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से परमेश्वरी तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। नालंदा परिसर का निर्माण शहर के जीएमपी स्कूल के समीप किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह ने की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के संघर्ष और सफलता की प्रेरक यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा रायगढ़ जिले के एक गांव के सरकारी स्कूल में हुई। उस समय विद्यालय में शिक्षकों की कमी थी और पढ़ाई के लिए आवश्यक संसाधन भी सीमित थे। बारहवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब वे भिलाई पहुंचे, तब सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक किताबें जुटाना भी बड़ी चुनौती थी। कई महत्वपूर्ण किताबों की तलाश में उन्हें दिल्ली तक जाना पड़ा, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के सामने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे।

श्री चौधरी ने मसूरी स्थित प्रशासनिक प्रशिक्षण अकादमी से जुड़ा एक प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए बताया कि एक बार वे अकादमी देखने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें भीतर प्रवेश नहीं मिल सका। उसी समय उन्होंने संकल्प लिया कि वे अब इस अकादमी में आईएएस अधिकारी बनकर ही आएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों, अपने सपनों को कभी छोटा नहीं करना चाहिए। मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर परिश्रम से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है।

श्री चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के 22 स्थानों पर नालंदा परिसर विकसित किए जा रहे हैं। तखतपुर में नालंदा परिसर की स्वीकृति के लिए विधायक धरमजीत सिंह ने लगातार प्रयास किए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के विभाग से प्रस्ताव आगे बढ़ने के बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिली। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लगभग एक से डेढ़ वर्ष में परिसर तैयार होने से तखतपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। वित्त मंत्री चौधरी ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण के संबंध में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि दसवीं और बारहवीं कक्षा के दौरान ही विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और भविष्य की संभावनाओं को समझकर विषय एवं करियर का चयन करना चाहिए। उन्हें यह जानकारी होनी चाहिए कि आगे किस क्षेत्र में जाना है, उसके लिए कौन-सी परीक्षा देनी होगी और किस प्रकार की तैयारी आवश्यक है। आगामी चार-पांच वर्षों का लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से अध्ययन करने वाले विद्यार्थी बेहतर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने छत्तीसगढ़ में उपलब्ध राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को इनका अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालयों में करियर काउंसिलिंग की आवश्यकता पर विशेष जोर देते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, पाठ्यक्रमों और करियर विकल्पों की जानकारी देने वाली एक हजार पुस्तकें तखतपुर को उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि तखतपुर में नालंदा परिसर की स्थापना क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नालंदा परिसर युवाओं के सपनों को देगा नई उड़ान

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि अध्ययन के दौरान किताबों और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की कमी को उन्होंने स्वयं अनुभव किया है। इसी अनुभव ने उन्हें युवाओं के लिए आधुनिक पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र विकसित करने की प्रेरणा दी। रायपुर कलेक्टर के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने लगभग 19 करोड़ रुपए की लागत से नालंदा परिसर का निर्माण कराया था, जहां आज लगभग तीन हजार युवा अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी गांव, शहर, प्रदेश और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए शिक्षा और पुस्तकालयों में निवेश अत्यंत आवश्यक है। नालंदा परिसर केवल अध्ययन का केंद्र नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने और उनके भविष्य को नई दिशा देने का माध्यम है।

नशे के अवैध कारोबार पर प्रशासन सख्त, स्कूल-कॉलेज के आसपास होगी विशेष निगरानी

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन एवं पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्कूल-कॉलेज सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में मादक पदार्थों की खरीदी-बिक्री किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारी नियमित निगरानी के साथ औचक निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कलेक्टर प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यादव ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।



बैठक में मादक पदार्थों की अवैध खरीदी-बिक्री, नशे के कारोबार पर नियंत्रण तथा रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली गई।

कलेक्टर ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे से जुड़ी गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए। पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम स्कूल-कॉलेजों के आसपास औचक निरीक्षण करे और निरीक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए।

साइकिल पोलो में छत्तीसगढ़ का धमाकेदार प्रदर्शन, तीनों वर्गों के फाइनल में बनाई जगह

श्रीकंचनपथ समाचार



भिलाई। राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन छत्तीसगढ़ ने सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर तीनों वर्गों में दमदार खेल का प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर छत्तीसगढ़ ने तीनों वर्गों के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 15 से 18 नवंबर 2026 तक जोधपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 47वीं पुरुष सीनियर, 45वीं जूनियर और 41वीं सब-जूनियर बालक राष्ट्रीय चैंपियनशिप खेली जा रही है। प्रतियोगिता में भारतीय वायुसेना, भारतीय सेना, प्रादेशिक सेना सहित देश के 22 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन 17 नवंबर को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में छत्तीसगढ़ ने तीनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर वर्ग में छत्तीसगढ़ ने केरल को 8-1 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में शेखर साहू ने 2, दुष्यंत बारले ने 3 और कप्तान गुलशन ने 3 गोल दागे। सब-जूनियर वर्ग में छत्तीसगढ़ ने कर्नाटक को 11-0 से एकतरफा मुकाबले में हराया। तन्मय निर्मलकर ने 3, तेजेश्वर देशमुख ने 4, भावेश साहू ने 3 और भावेश निर्मलकर ने 1 गोल किया। वहीं जूनियर वर्ग के क्वार्टर फाइनल में भी छत्तीसगढ़ ने कर्नाटक को 8-0 से पराजित किया। इस मुकाबले में पंकज सिन्हा, शुभम यादव, पीयूष साहू और राहुल निर्मलकर ने 2-2 गोल किए। सीनियर वर्ग के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने प्रादेशिक सेना को 9-8 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में शेखर साहू ने 1, दुष्यंत बारले ने 2 और कप्तान गुलशन बारले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल दागे। सब-जूनियर वर्ग के सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ ने उत्तर प्रदेश को 6-5 से हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया। इस मुकाबले में तन्मय निर्मलकर ने 1, तेजेश्वर ने 4 और भावेश साहू ने 1 गोल किया। साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया की एडहॉक कमेटी के चेयरमैन एवं साइकलिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक राव चन्नावार तथा भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के कोषाध्यक्ष तोषेंद्र वर्मा, मुख्य प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय अंपायर देव प्रकाश वर्मा और दल के प्रशिक्षक शशांक देशमुख ने बताया कि छत्तीसगढ़ की टीमें राष्ट्रीय विजेता बनने के लिए पूरी ताकत से मुकाबला करेंगी प्रतियोगिता के अंतिम दिन 18 नवंबर को सीनियर वर्ग में छत्तीसगढ़ का मुकाबला भारतीय वायुसेना से होगा।

वुमेंस अंडर-23 टी-20 टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की शानदार जीत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा वुमेंस अंडर-23 टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 14 नवंबर 2026 से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने अपना तीसरा मुकाबला 17 नवंबर 2026 को त्रिवेंद्रम में विदर्भ अंडर-23 टीम के विरुद्ध खेला।

इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विदर्भ को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। विदर्भ अंडर-23 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाए। विदर्भ की ओर से साई भोयर ने नाबाद 53 रन और सयाली शिंदे ने 43 रनों की पारी खेली।





छत्तीसगढ़ की ओर से गेंदबाजी करते हुए साक्षी शुक्ला, शिविका अग्रवाल, कृति गुप्ता और किरण वर्मा ने 1-1 विकेट हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और महज 17.2 ओवरों में 2 विकेट खोकर 133 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से चांद चेलक ने शानदार 58 रन बनाए, जबकि कप्तान कृति गुप्ता ने नाबाद 55 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

इसके अलावा मानश्री मौर्य ने 15 रनों का योगदान दिया। विदर्भ की ओर से जान्हवी और तृप्ति ने 1-1 विकेट हासिल किया। इस तरह छत्तीसगढ़ ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम किया।

सेवा सेतु केंद्र बना आम नागरिकों के लिए सुगम शासकीय सेवाओं का माध्यम

मुंगेली। शासन द्वारा आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सहज और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु केंद्र लोगों के लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है। इसी उद्देश्य से जिला कलेक्टोरेट परिसर में संचालित सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों के लिए सुविधा और सहूलियत का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। केंद्र के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उनके समय, श्रम और संसाधनों की बचत हो रही है। इसी कड़ी में मुंगेली विकासखंड के ग्राम बोधीपारा निवासी आशीष कुमार बारले को जिला कलेक्टोरेट परिसर स्थित सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने की सुविधा प्राप्त हुई। आशीष बारले ने बताया कि पूर्व में इन प्रमाण पत्रों के लिए अलग-अलग प्रक्रियाओं और कार्यालयों में जाना पड़ सकता था, लेकिन सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हुईं।

बरसात के बाद फिर शुरू हुई भोरमदेव जंगल सफारी, पर्यटकों को मिल रहा प्रकृति और रोमांच का अनूठा अनुभव

36 किलोमीटर लंबे सफारी मार्ग में वन्यजीवों और पक्षियों को करीब से देख रहे पर्यटक

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार की इको-टूरिज्म पहल के तहत विकसित भोरमदेव जंगल सफारी बरसात के बाद एक बार फिर पर्यटकों के लिए शुरू हो गई है। जंगल सफारी प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है।



इको-टूरिज्म के क्षेत्र में भोरमदेव की बढ़ती पहचान

वन मंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने बताया कि लगभग 352 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले भोरमदेव अभयारण्य में 36 किलोमीटर लंबा जंगल सफारी मार्ग विकसित किया गया है। सफारी का मुख्य प्रवेश द्वार भोरमदेव मंदिर के पास करियाआमा क्षेत्र में स्थित है, जहां से पर्यटक अपनी जंगल यात्रा प्रारंभ करते हैं। इस सफारी के माध्यम से पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के समृद्ध वन, वन्यजीव, जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने का अवसर मिल रहा है। साथ ही पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय लोगों की आजीविका को भी मजबूती मिल रही है।

कबीरधाम जिले सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों और देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले पर्यटक यहां जंगल की प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीवों को करीब से देखने का आनंद ले रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप तथा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह जंगल सफारी प्रकृति, रोमांच और स्थानीय विकास का बेहतर संगम बन रही है। इसके माध्यम से भोरमदेव क्षेत्र को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान मिल रही है, वहीं स्थानीय युवाओं, वन प्रबंधन समिति और स्व-सहायता समूहों को रोजगार एवं आमदनी के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। वन मंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने बताया कि भोरमदेव जंगल सफारी की शुरुआत से स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के नए अवसर मिले हैं। सफारी परिसर में स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसके संचालन से समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रोत्साहन मिला है। बरसात के बाद जंगल सफारी फिर शुरू होने से पर्यटकों को एक बार फिर भोरमदेव के प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों के बीच रोमांचक अनुभव लेने का अवसर मिला है।

करीब 36 किलोमीटर लंबे जंगल सफारी मार्ग में पर्यटकों को अनेक वन्यजीवों और पक्षियों को देखने का अवसर मिलता है। सफारी के दौरान भारतीय गौर, भालू, नीलगाय, सांभर, कोटरी (बार्किंग डियर), बाघ के पदचिह्न (टाइगर पगमार्क), जंगली मुर्गा, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी और रंग-बिरंगी तितलियां पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर वातावरण पर्यटकों की जंगल यात्रा को रोमांचक और यादगार बनाता है। भोरमदेव जंगल सफारी का रोमांच लेने के इच्छुक पर्यटकों के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अब पर्यटक घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से जंगल सफारी की बुकिंग कर सकते हैं। इसके लिए पर्यटकों को आधिकारिक वेबसाइट ईवतंउकमअूसेण्बवउ पर जाना होगा, जहां ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। भोरमदेव के प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और वन्यजीवों को करीब से देखने का अवसर पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र है।

जंगल सफारी के साथ प्राकृतिक उद्यान भी पर्यटकों की पसंद

भोरमदेव जंगल सफारी के साथ यहां स्थित प्राकृतिक उद्यान भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। जंगल सफारी का आनंद लेने वाले पर्यटकों के अलावा बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक उद्यान का भ्रमण करने पहुंच रहे हैं। इससे भोरमदेव क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है और यह क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

ऑनलाइन टोकन से धान बेचना हुआ आसान

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए की गई सुव्यवस्थित धान खरीदी व्यवस्था और ऑनलाइन टोकन प्रणाली से किसानों को अपनी उपज बेचने में सहूलियत मिल रही है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम भल्लौर निवासी किसान भैया राम अपनी 48 क्विंटल धान की उपज लेकर चैनपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की किसान हितैषी पहल की सराहना की। किसान भैया राम ने बताया कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान बेचने की प्रक्रिया काफी आसान हो गई है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

किराएदार बनकर मकान मालिक से ठगे 28.55 लाख

रायपुर। रायपुर में मकान किराये पर लेने और दूसरे शहरों में संपत्तियों के संचालन के नाम पर महिला से 28.55 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एवेना कंपनी के संचालकों ने पहले महिला का मकान किराये पर लिया और दो महीने तक समय पर किराया देकर भरोसा जीता। इसके बाद भोपाल समेत दूसरे शहरों में मकान लेने के लिए उनके मालिकों को सिक्योरिटी डिपॉजिट देने के नाम पर महिला से निवेश कराया। शुरुआत में निवेश पर मुनाफा भी दिया, लेकिन बड़ी रकम मिलने के बाद पैसे लौटाने में टालमटोल करने लगे। महिला का 4.63 लाख रुपए किराया भी बकाया है। ग्रीन विले सिटी, बोरियाकला निवासी ज्योति सोनी की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला मुजगहन थाना क्षेत्र का है।

रेत के अवैध उत्खनन करते 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने कार्रवाई करते हुए 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर विभाग की टीम ने ग्राम इटवा-पाली और पहंदा में दबिश देकर अवैध गतिविधियों में संलिप्त वाहन पकड़े। खनिज विभाग के अमले ने ग्राम इटवा-पाली में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करते पाए जाने पर 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की। जब्त वाहनों को खनिज जांच चौकी लावर की अभिरक्षा में रखा गया है। 16 नवंबर को ग्राम पहंदा में रेत का अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर 4 अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए। इन वाहनों को पुलिस चौकी बेलगहना की कस्टडी में रखा गया है। इस तरह दोनों स्थानों से कुल 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए हैं।

कोरबा से चोरी ट्रेलर झारखंड में मिला, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। गेवरा-दीपका क्षेत्र में ट्रेलर चोरी के मामले में दीपका पुलिस ने झारखंड से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए ट्रेलर की कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी ने शातिर तरीके से ट्रेलर को अपने ट्रेलर हॉर्स में जोड़कर झारखंड पहुंचा दिया था, ताकि किसी को शक न हो। चोरी का ट्रेलर और वारदात में इस्तेमाल किया गया ट्रेलर हॉर्स भी जब्त कर लिया है। तिवरता निवासी शिवम अग्रवाल ने दीपका थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 सीजी 8684 नवजागृति शिशु मंदिर स्कूल में खड़ा था। इसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है। शिकायत पर दीपका थाना में अपराध क्रमांक 462/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

धान के अवैध कारोबार पर प्रशासन का शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित और सुगम बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है। वास्तविक किसानों को शासन की धान खरीदी योजना का लाभ सुनिश्चित करने तथा अवैध रूप से धान का भंडारण एवं परिवहन करने वालों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिले में जांच और निगरानी अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में प्रशासन ने बिलाईगढ़ और सालर में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए कुल 2,798 बोरी-कट्टा धान जब्त किया है।

जिले में राजस्व अमले द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों, धान भंडारण स्थलों, अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला चेकपोस्टों तथा धान उपार्जन केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकना और किसानों को बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेचने की सुविधा उपलब्ध कराना है।

बिलाईगढ़ में 2,700 बोरी और सालर में 98 कट्टा धान जब्त

अवैध धान भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई के तहत बिलाईगढ़ स्थित मेसर्स रोहित कुमार देवांगन के प्रतिष्ठान से 2,700 बोरी धान जब्त किया गया। इसी प्रकार सालर में एसडीएम द्वारा धान भंडारण की जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 98 कट्टा धान की जब्ती की गई। दोनों मामलों में प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण एवं परिवहन पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है।

2798 बोरी-कट्टा धान जब्त



कलेक्टर द्वारा समय-सीमा की बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में तहसीलदार भटगांव ने साहू ट्रेडर्स,अंतरजिला चेकपोस्ट सलिहा घाट तथा सलिहा घाट धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान के आवागमन, निगरानी व्यवस्था और उपार्जन केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल जांच करने के निर्देश दिए।

21 चेकपोस्टों से धान के अवैध परिवहन पर निगरानी

जिले में धान के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 21 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इनमें 11 अंतरराज्यीय और 10 अंतरजिला चेकपोस्ट शामिल हैं। इन चेकपोस्टों के माध्यम से धान के आवागमन पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे धान को समर्थन मूल्य की खरीदी व्यवस्था में खपाने की संभावनाओं पर रोक लगाई जा सके। जिले में 80 समितियों के अंतर्गत संचालित 95 धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन द्वारा उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं के साथ ही धान के परिवहन और भंडारण की नियमित निगरानी की जा रही है।

अनियमितता मिलने पर होगी नियमानुसार सख्त कार्रवाई

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध भंडारण, परिवहन अथवा धान खरीदी व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने के प्रयासों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की प्राथमिकता है कि शासन की धान खरीदी योजना का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे तथा किसान सुरक्षित, पारदर्शी और सुविधाजनक वातावरण में अपनी मेहनत की उपज का विक्रय कर सकें।

राइस मिलों में धान के स्टॉक की सघन जांच भुसरेंगा में 885 कट्टा अतिरिक्त धान जब्त

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और अवैध भंडारण एवं अनियमित कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए धमतरी जिले में प्रशासन द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कुरुद विकासखंड के ग्राम भुसरेंगा स्थित भंशाली राइस मिल के भौतिक सत्यापन के दौरान अभिलेखों में दर्ज स्टॉक से 885 कट्टा अतिरिक्त धान पाए जाने पर मंडी अधिनियम के तहत जब्ती की कार्रवाई की गई।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 नवंबर को नायब तहसीलदार कुरुद, खाद्य निरीक्षक कुरुद एवं मंडी निरीक्षक कुरुद की संयुक्त टीम ने ग्राम भुसरेंगा स्थित भंशाली राइस मिल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिल परिसर में भंडारित धान की वास्तविक मात्रा का भौतिक सत्यापन किया गया तथा उपलब्ध स्टॉक का संबंधित अभिलेखों एवं पंजी में दर्ज विवरण से मिलान किया गया। जांच में अभिलेखों के अनुसार उपलब्ध धान की मात्रा और मौके पर पाए गए वास्तविक स्टॉक में अंतर सामने आया। मिल परिसर में निर्धारित अभिलेखीय मात्रा से 885 कट्टा धान अतिरिक्त पाया गया। संयुक्त जांच दल ने स्टॉक में पाई गई इस अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की। मौके पर पंचनामा तैयार कर अतिरिक्त पाए गए 885 कट्टा धान की जब्ती की प्रक्रिया पूरी की गई। जब्त धान को नियमानुसार मिल संचालक की सुपुर्दगी में रखा गया है।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही राइस मिलों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं धान भंडारण स्थलों की निगरानी बढ़ा दी गई है। राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें धान के स्टॉक, क्रय-विक्रय संबंधी अभिलेखों तथा भंडारण की वास्तविक स्थिति की जांच कर रही हैं। विशेष रूप से अभिलेखों में दर्ज मात्रा और मौके पर उपलब्ध धान के बीच अंतर तथा बिना आवश्यक दस्तावेजों के भंडारण जैसी अनियमितताओं पर नजर रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता और वास्तविक किसानों के हितों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। धान के अवैध भंडारण, अनियमित परिवहन एवं स्टॉक संबंधी गड़बड़ियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा निरीक्षण और जांच का अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

साइबर ठगी के लिए बैंक खाते देने वाले 6 गिरफ्तार

कमीशन के लालच में साइबर ठगों को दिए थे अकाउंट और एटीएम कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 6 खाताधारकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी 5 हजार से 15 हजार रुपए तक कमीशन लेकर अपने बैंक खाते और उनसे जुड़े दस्तावेज दूसरों को देते थे। इन खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम जमा करने और दूसरे खातों में ट्रांसफर करने का काम किया जा रहा था।

पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी एजेंटों के जरिए अपने और दूसरे लोगों के बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इसके साथ ही वे एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड भी सौंप देते थे। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से मिली रकम को जमा करने और अलग-अलग बैंक खातों में



भेजने के लिए किया जाता था।

बदले में खाताधारकों को 5 हजार से 15 हजार रुपए तक कमीशन मिलता था। पुलिस ने बैंक खातों में हुए लेन-देन और तकनीकी सबूतों के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

4 मामलों में 6 खाताधारकों पर कार्रवाई

17 नवंबर को सुपेला, पद्मनाभपुर और मोहन नगर थाने में दर्ज चार मामलों में 6 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें सुपेला थाना क्षेत्र के दो मामलों में तीन, पद्मनाभपुर के एक मामले में दो और मोहन नगर के एक मामले में एक खाताधारक शामिल है।

सुपेला पुलिस ने आशीष कुमार साहू (38), निवासी इस्पात नगर रिसाली, नीतेश मसीह (36), निवासी पदुमनगर चरोदा और धरम राज तिवारी (51), निवासी मॉडल टाउन सुपेला को गिरफ्तार किया है।

पद्मनाभपुर पुलिस ने अमित मिश्रा (32), निवासी जवाहर नगर और गिरजा सिन्हा (23), निवासी शक्ति नगर को पकड़ा। वहीं मोहन नगर पुलिस ने रविन्द्र कुमार दिवान (42), निवासी ग्राम कादुल, जिला बालोद के खिलाफ कार्रवाई की है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धोखाधड़ी और अन्य संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कमीशन के लालच में किसी को भी अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या सिम कार्ड न दें। ऐसे खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध में होने पर खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

पटाखे-फोड़ने पर घर में घुसकर युवक को पीटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ के कोतवाली थाना क्षेत्र में दीपावली की रात पटाखे फोड़ने की बात पर शुरू हुआ विवाद अगले दिन मारपीट और जबरन युवक को कार में ले जाने तक पहुंच गया। आरोपियों ने घर में घुसकर 18 साल के युवक की पिटाई की। इस दौरान एक आरोपी ने जूता निकालकर उसके सिर पर मारा। पुलिस के लगातार दबाव के बाद मुख्य आरोपी ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उसे एक दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की और घटना में इस्तेमाल सामान जब्त किया है। हंडी चौक निवासी 18 वर्षीय निमिष अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 नवंबर की रात पटाखे फोड़ने की बात पर हनी अग्रवाल, अरुण शर्मा, लक्ष्य शुक्ला और अन्य युवकों ने उस पर और उसके साथी पर कमेंट करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हनी अग्रवाल और अरुण शर्मा ने निमिष के साथ



हाथ-मुक्कों और थप्पड़ों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे आकर्ष शर्मा के सिर पर अरुण ने हाथ में पहने स्टील के कड़े से वार कर दिया।

अगले दिन 9 नवंबर की सुबह करीब 7 बजे निमिष अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान अरुण शर्मा, हनी अग्रवाल, लक्ष्य शुक्ला और दीप अग्रवाल सफेद रंग की ऑल्टो कार से वहां पहुंचे। आरोपियों ने जबरन घर में घुसकर पटाखे फोड़ने की बात पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि अरुण शर्मा ने जूता निकालकर निमिष के सिर पर मारा और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी उसे जबरन कार में बैठाकर बोईरदादर स्टेडियम के आगे एचपी गैस एजेंसी के पास ले गए। वहां भी उसके साथ मारपीट की गई। बाद में आरोपी निमिष को हंडी चौक के पास छोड़कर फरार हो गए।

एक आरोपी पहले ही हो चुका है गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने 12 नवंबर को दीप अग्रवाल (26), निवासी विकास नगर गली नंबर-3, कोतरारोड को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया था। वहीं अरुण शर्मा, हनी अग्रवाल और लक्ष्य शुक्ला की तलाश में कोतवाली पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।

पुलिस की कार्रवाई के दबाव में मुख्य आरोपी अरुण शर्मा (20) निवासी गजानंदपुरम कॉलोनी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पूछताछ और जब्ती की कार्रवाई के बाद आरोपी को दोबारा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बालको प्लांट में चोरी : कमर से छाती तक तार लपेटकर निकले थे, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बालको प्लांट में 49.280 किलो कॉपर केबल चोरी कर बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे दो युवकों को सुरक्षा गार्डों ने पकड़ लिया। दोनों ने तांबे का तार कमर से छाती तक शरीर पर लपेटकर ऊपर से कपड़े पहन रखे थे। तलाशी में उनके पास से 49,280 रुपए कीमत का कॉपर वायर मिला। बालकोनगर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आरोपियों ने कर्मचारियों की छुट्टी का फायदा उठाकर रात में चोरी की योजना बनाई थी। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और गेट पास के इस्तेमाल की भी जांच शुरू की है।

पुलिस के मुताबिक, चोरी की घटना रात 10 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। प्लांट में सीएच-04 के सामने खुले में रखे केबल ड्रम से कॉपर केबल काटी गई थी। आरोपी पथरीपारा निवासी भीम मल्लाह (23) और भटगांव उपरपारा निवासी नरेश कुमार कंवर (21) गेट पास कार्ड से प्लांट में घुसे थे। दोनों ने केबल का प्लास्टिक कवर हटाकर तांबे का तार शरीर पर लपेट लिया और ऊपर से कपड़े पहन लिए।

गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड संदीप श्रीवास्तव और मुकेश बरेठ को दोनों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी लेने पर उनके शरीर पर लिपटा कॉपर वायर मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलने पर बालकोनगर पुलिस मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता मनीष विश्वास की रिपोर्ट पर



केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौलने पर कॉपर वायर का वजन 49.280 किलो मिला। इसकी कीमत 49,280 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने घटनास्थल से केबल का कटा हुआ हिस्सा और पास की इमारत की छत से प्लास्टिक कवर के अवशेष जब्त किए। आरोपियों के पास से कटर, हेक्सा ब्लेड और रस्सी भी बरामद की गई।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने ज्यादातर कर्मचारियों की छुट्टी का फायदा उठाकर चोरी की योजना बनाई थी। रात में सुनसान जगह देखकर केबल काटी और उसे शरीर पर बांधकर प्लांट से बाहर निकलने की तैयारी की थी।

बालकोनगर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 3(5) और 61(2) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस अब प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और गेट पास कार्ड के दुरुपयोग की भी जांच कर रही है।

नहाने के लिए निकले व्यक्ति का नदी में मिला शव, नदी किनारे कपड़े बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र के ग्राम पुरेना स्थित खोलार नदी में मंगलवार को 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बाबूलाल निर्मलकर, पिता घासीराम निर्मलकर, निवासी ग्राम पुरेना के रूप में हुई है। संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आशंका है कि नहाने के दौरान तबीयत बिगड़ने से वह नदी में डूब गया होगा। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

जानकारी के अनुसार, बाबूलाल निर्मलकर मंगलवार को नहाने के लिए घर से खोलार नदी जाने निकला था। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहा था। दोपहर तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित थे। इसी दौरान मवेशी चराने गए कुछ ग्रामीणों की नजर नदी में पड़े शव पर पड़ी। शव देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना वार्ड पार्षद पति शिवरतन को दी। उन्होंने बांकी मोंगरा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राम कुमार साव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेकर पंचनामा कार्रवाई की।

घटनास्थल पर पुलिस को नदी किनारे मृतक के कपड़े, हाफपैंट, गमछा, लाठी, गुड़ाखू की डिब्बी, हरे रंग का निरमा साबुन और तेल की छोटी डिब्बी मिली



है। मृतक के हाथ में गोल्डन रंग की घड़ी भी थी। मौके पर मिले सामान से अनुमान लगाया जा रहा है कि वह नहाने के लिए नदी पहुंचा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बाबूलाल की मौत किन परिस्थितियों में हुई। आशंका जताई जा रही है कि अस्वस्थ होने के कारण नहाते समय उसकी तबीयत बिगड़ गई होगी और वह नदी में डूब गया होगा। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद ग्राम पुरेना में शोक का माहौल है।

22किलो गांजा तस्करी, 3 आरोपियों को 20-20 साल की सजा, स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट ने सुनाया फैसला

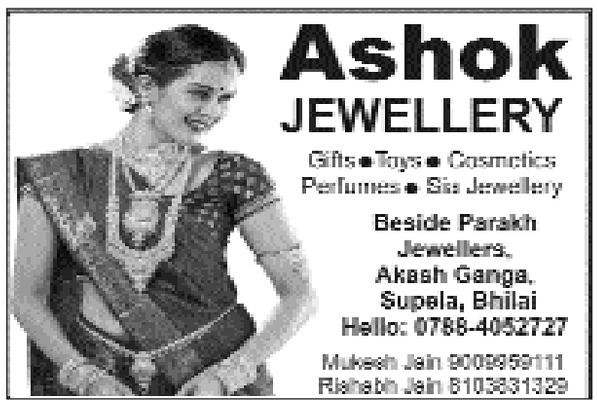


रायगढ़। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र में 22 किलो गांजा की तस्करी के मामले में रायपुर की विशेष एनडीपीएस अदालत ने तीन आरोपियों को 20-20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश शैलेश शर्मा ने 17 नवंबर 2026 को यह फैसला सुनाया। अदालत ने तीनों पर 2-2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर छह-छह महीने का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अदालती फैसले के मुताबिक, 9 जनवरी 2025 को शाम करीब 5:40 बजे ग्राम सोरिद मोड़, जोगी डबरी मेन रोड पर पुलिस ने एक चारपहिया वाहन को रोका था। वाहन में चार लोग सवार थे। पूछताछ में उनकी पहचान संतोष सुना, बिसेसर सिंह, पलाश उर्फ बंटी पाटिल और अनिकेत शिंदे के रूप में हुई। तलाशी के दौरान वाहन से चार बोरियों में गांजा बरामद हुआ। इसका कुल वजन 22 किलो था। पुलिस ने गांजा, वाहन और आरोपियों के मोबाइल जब्त किए थे। फिंगेश्वर थाने में अपराध क्रमांक 12/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(द्वद्व)(सी) में केस दर्ज किया गया था।

मामले में चार आरोपी बनाए गए थे। इनमें बिसेसर सिंह की मौत हो चुकी है। अदालत ने बाकी तीन आरोपियों संतोष सुना (30), अनिकेत शिंदे (27) और पलाश उर्फ बंटी पाटिल (24) को दोषी ठहराया। एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(द्वद्व)(सी) के तहत तीनों आरोपियों को 20-20 साल के कठोर कारावास और 2-2 लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

जांजगीर-चांपा में नाले में बाइक समेत मिला युवक का शव

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम बनारी के पास नाले में एक युवक का शव मोटरसाइकिल सहित मिला। गांव के सरपंच ने सूचना दी थी कि नाले में एक युवक मृत अवस्था में पड़ा है और पास में मोटरसाइकिल भी गिरी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान प्रवीण मारचे निवासी अकलतरा के रूप में हुई। आशंका जताई जा रही है कि उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई, जिसके बाद वह बाइक समेत नाले में जा गिरा। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।







खास खबर



मुख्यमंत्री साय से तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ आगमन पर श्री रेड्डी का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों ने साझा हितों से जुड़े विषयों पर निरंतर संवाद और सहयोग बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर तेलंगाना के जल संसाधन मंत्री एन. रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल तथा बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, मुख्य सचिव विकास शील, तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने विख्यात लेखक डॉ. यतीन्द्र मिश्र से की मुलाकात



रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से लोक भवन में विख्यात लेखक एवं केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य डॉ. यतीन्द्र मिश्र ने सौजन्य भेट की। इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में चमका लखपति दीदियों का हुनर, 'छत्तीसकला' बनी नई पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं का हुनर अब गांव की चौखट से निकलकर राष्ट्रीय बाजार तक अपनी पहचान बना रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की लखपति दीदियां अपनी कला, मेहनत और उद्यमिता का प्रदर्शन कर रही हैं। छत्तीसगढ़ पवेलियन के हॉल नंबर 4 में स्थापित 'लखपति दीदी' स्टॉल पर प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा, स्थानीय उत्पादों और ग्रामीण महिलाओं के कौशल की आकर्षक झलक देखने को मिल रही है।

इस मेले में छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, कोरबा, बस्तर, धमतरी और रायगढ़ जिलों के स्व-सहायता समूहों की पांच लखपति दीदियां भाग ले रही हैं। इन महिलाओं द्वारा तैयार कोसा साड़ियां, आकर्षक जैकेट, कॉटन ड्रेस मटेरियल, पारंपरिक बेल मेटल शिल्पकृतियां, स्थानीय मसाले और अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है।



'बिहान' के अंतर्गत 'छत्तीसकला' ब्रांड ग्रामीण महिलाओं के हुनर को नई पहचान देने का माध्यम बन रहा है। इस ब्रांड के जरिए स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित गुणवत्तापूर्ण एवं पारंपरिक उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। लखपति दीदियों को अपने उत्पादों को देश-विदेश के व्यापारियों, उद्यमियों और संभावित खरीदारों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है।

लखपति दीदी पहल महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस वर्ष व्यापार मेले की थीम 'विकास और विरासत' है। महिलाएं राज्य की समृद्ध कला, संस्कृति और पारंपरिक शिल्प को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रही हैं।

छोटे-छोटे कारोबारियों के सपनों को उड़ान दे रही पीएम स्वनिधि, साव ने किया 'स्मार्ट ठेला' पंजीयन का शुभारंभ

उपमुख्यमंत्री ने किया उत्कृष्ट हितग्राहियों, प्रतिभाशाली बच्चों, बैंकों और नगरीय निकायों का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने कहा कि ठेला-खोमचा लगाकर और छोटे व्यवसाय से परिवार चलाने वाले लोगों की मेहनत को पीएम स्वनिधि योजना ने पूंजी का सहारा दिया है। कभी साहूकारों का ब्याज चुकाने में खर्च हो जाने वाली कमाई अब कारोबार बढ़ाने, बच्चों की पढ़ाई और परिवार की खुशहाली में काम आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि छोटे कारोबारी आर्थिक रूप से मजबूत बनें और सम्मान के साथ आगे बढ़ें। एक-एक परिवार आत्मनिर्भर होगा, तभी प्रदेश और देश विकसित होगा।



उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय स्वनिधि महोत्सव में योजना के हितग्राहियों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कार्यक्रम में स्मार्ट ठेला पंजीयन का शुभारंभ और इसके पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि पथ विक्रेताओं को पहचान पत्र मिलने से व्यवसाय करने में सुविधा होगी। श्री साव ने हितग्राहियों को यूपीआई से जुड़े डिजिटल भुगतान साउंड बॉक्स भी वितरित किए। उन्होंने सफल पथ विक्रेताओं और उनके प्रतिभाशाली बच्चों को मंच पर सम्मानित भी किया।

श्री साव ने कहा कि छोटे व्यवसायियों का जीवन संघर्ष और परिश्रम से भरा होता है। पहले कारोबार के लिए साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता था और मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा ब्याज में चला जाता था। कोरोना काल में इन परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी कठिनाइयों को समझा और वर्ष 2020 में पीएम स्वनिधि योजना शुरू की। बिना गारंटी के आसान ऋण उपलब्ध होने से लाखों पथ विक्रेताओं को अपना कारोबार फिर खड़ा करने और आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

श्री साव ने कहा कि योजना में समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राही क्रमशः 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपए तक का ऋण लेकर व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने हितग्राहियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नियमित भुगतान कर अगले चरण का लाभ लें, आमदनी बढ़ाएं और बच्चों को अच्छे विद्यालयों में पढ़ाएं। सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से भी जुड़ें, ताकि पूरा परिवार सक्षम बने। उन्होंने डिजिटल लेन-देन अपनाने और पात्र हितग्राहियों के लिए उपलब्ध 30 हजार रुपए तक की यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया।

श्री साव ने कहा कि बिलासपुर लगातार उपलब्धियों के नए अध्याय जोड़ रहा है। स्वच्छता के क्षेत्र में बिलासपुर को देश में दूसरा तथा छोटे शहरों की श्रेणी में बिल्हा को पहला स्थान मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर में प्रदेश की पहली ऑटोमेटेड कार पार्किंग का उद्घाटन किया है। अब पीएम स्वनिधि योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 20 नवम्बर को नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ और बिलासपुर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए नगरीय निकायों, बैंकर्स, अधिकारियों और हितग्राहियों को बधाई दी।

विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि कोई काम छोटा नहीं होता। पथ विक्रेता भारतीय अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। पीएम स्वनिधि उन्हें आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास और गौरव प्रदान कर रही है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे कारोबारियों को आत्मनिर्भर बनाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर दे रही है। उन्होंने योजना से वंचित पात्र लोगों को जोड़ने तथा ऋण प्रक्रिया सरल बनाने पर जोर दिया। कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने भी छोटे व्यवसायियों को निजी कर्ज की कठिनाइयों से राहत दिलाने में योजना की भूमिका का उल्लेख किया।

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि हाट-बाजारों, सड़कों और चौक-चौराहों पर छोटे व्यवसाय करने वाले लोग नागरिकों की दैनिक जरूरतें पूरी करते हैं। उनका योगदान समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में ऐसे अनेक हितग्राही उपस्थित हैं, जिन्होंने तीनों चरणों में ऋण लेकर अपने कारोबार को आगे बढ़ाया है। उन्होंने बैंकर्स से आग्रह किया कि ऋण की औपचारिकताओं को सरल बनाएं और छोटे उद्यमियों के सहयोगी बनें। ये उद्यमी स्वयं की आजीविका के साथ रोजगार के अवसर भी पैदा करते हैं और विकसित भारत की बुनियाद मजबूत बनाते हैं।

सम्मेलन में सफल पथ विक्रेताओं के जीवन में आए बदलावों पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि राज्य में अब तक 1.23 लाख से अधिक हितग्राहियों को 282 करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराया गया है। योजना में बिना गारंटी ऋण के साथ 7 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी तथा डिजिटल लेन-देन पर अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान है। भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों ने वित्तीय समावेशन और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी दी।

'नाचा' ने अमरीका से ब्रिटेन तक फैलाई छत्तीसगढ़ी संस्कृति की महक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की गूंज इस वर्ष सात समंदर पार अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन तक सुनाई दी। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस 2026 में नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) (North America Chhattisgarh Association (NACHA) ने भारतीय दूतावासों, वाणिज्य दूतावासों, उच्चायोग और विभिन्न भारतीय सामुदायिक संगठनों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। इस वर्ष 1 से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अमेरिका के शिकागो में भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा नेशनल इंडिया हब में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में अनेक भारतीय राज्यों के सामुदायिक संगठनों ने एकजुट होकर भारत की जनजातीय विरासत का उत्सव मनाया।

भारतीय महावाणिज्य दूत आनंद प्रकाश ने समारोह में देश के स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक विरासत में जनजातीय समुदायों के योगदान को रेखांकित किया। इस आयोजन के सामुदायिक समन्वय और नेतृत्व की जिम्मेदारी भारतीय वाणिज्य दूतावास की ओर से नाचा के वरिष्ठ प्रतिनिधि गणेश कर को सौंपी गई. उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा, मणिपुर, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के संगठनों को एक मंच पर लाया गया।

इस अवसर पर नाचा के शिकागो चैप्टर अध्यक्ष तेजेंद्र साहू ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज की भूमिका और महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह के अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला।



शिकागो में दीपाली सरावगी

शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूत आनंद प्रकाश ने नाचा की वैश्विक अध्यक्ष दीपाली सरावगी को हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रतिष्ठित 'छत्तीसगढ़ अप्रवासी सम्मान 2026' के लिए बधाई दी और जनजातीय गौरव दिवस समारोह के मंच पर उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया। दीपाली सरावगी इस सम्मान को प्राप्त करने वाली पहली महिला हैं। दीपाली ने भगवान बिरसा मुंडा के साहस, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश साझा किया और छत्तीसगढ़ के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बस्तर के गणेश कर

गणेश कर ने कहा, मैं मूल रूप से बस्तर से हूं, इसलिए छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति की समृद्धि और उसकी ऐतिहासिक विरासत को करीब से जानता हूं. भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा इस महत्वपूर्ण आयोजन के सामुदायिक समन्वय की जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए गर्व और सम्मान का विषय है। हमारा उद्देश्य मणिपुर, असम, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के समुदायों को एक मंच पर लाकर भारत के सभी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को सामूहिक श्रद्धांजलि देना था।

कनाडा में बिलासपुर के पंकज

कनाडा के टोरंटो में भारतीय महावाणिज्य दूत महावीर सिंहवी ने दीप प्रज्वलित कर भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की और जनजातीय समुदायों के ऐतिहासिक योगदान तथा सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। इस आयोजन में बिलासपुर निवासी, नाचा कनाडा चैप्टर के अध्यक्ष एवं वैश्विक प्रवासी समुदाय के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने महत्वपूर्ण नेतृत्व और समन्वय की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में जनजातीय नृत्य, पारंपरिक कला, चित्रकला और वेशभूषा प्रतियोगिताओं के माध्यम से भारत की विविध जनजातीय संस्कृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया. कलाकारों और प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।

लंदन में ट्राइबल टेपस्ट्री

ब्रिटेन की राजधानी लंदन के प्रतिष्ठित नेहरू सेंटर में आयोजित 'द ट्राइबल टेपेस्ट्री 2026' कार्यक्रम में नाचा यूके ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और जनजातीय परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनजातीय समुदायों के इतिहास, स्वतंत्रता संघर्ष, लोककला और सांस्कृतिक विविधता को प्रमुखता दी गई। नाचा यूके से अरविंद साहू, पियाली और अन्य कार्यकारी सदस्यों ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

ह्यूस्टन में मना राज्य स्थापना दिवस

टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नाचा के कार्यकारी प्रतिनिधि हिमांशु थवैत और नंदा तिवारी ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय विरासत, लोकसंस्कृति और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का संदेश साझा किया।

यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण

नाचा की वैश्विक अध्यक्ष दीपाली सरावगी ने कहा, यह हम सभी छत्तीसगढ़वासियों के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है कि आज हमारे प्रवासी समुदाय के प्रतिनिधि अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों में भारतीय दूतावासों और उच्चायोग के साथ मिलकर भारत की जनजातीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने में योगदान दे रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष आभार व्यक्त करती हूं। दीपाली सरावगी ने कहा कि नाचा का उद्देश्य दुनिया भर में बसे छत्तीसगढ़वासियों को एकजुट करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमारी आने वाली पीढ़ियां अपने प्रदेश के इतिहास, संस्कृति और महान नायकों के योगदान को जानें. उन्होंने शिकागो, टोरंटो, लंदन और ह्यूस्टन के सभी नाचा पदाधिकारियों, भारतीय राजनयिक मिशनों, सहयोगी संगठनों, कलाकारों और स्वयंसेवकों का आभार जताया।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950